श्रावण शुक्ल - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 7 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 29-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे : कांग्रेस

6 ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता 'गेमचेंजर'

7 'किंगडम' में विजय देवरकोंडा की एटिंग पर रश्मिका मंदाना हुई कायल

फर्स्ट टेक

पूरे भारत में सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है स्टारलिंक

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार राज्यमंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क की अगुवाई वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती हैं, ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल समेत अन्य दूरसंचार कंपनियों को कोई जोखिम नहीं है। उन्होंने यहां बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के मौके पर कहा, ''स्टारलिंक के भारत में केवल 20 लाख ग्राहक हो सकते हैं और वह 200 एमबीपीएस तक की गति प्रदान कर सकती है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'' सैटकॉम सेवाओं का लक्ष्य ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों को बनाया जाएगा जहां बीएसएनएल की अच्छी उपस्थिति है।

आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी उफान पर, बाढ़ की चेतावनी जारी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने गोदावरी नदी के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर उसके किनारे रहने वाले लोगों को बाढ़ के खतरे के प्रति सतर्क रहने की सोमवार सलाह जारी की। आंध्र प्रदेश के ऊपरी इलाकों में पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश के कारण गोदावरी नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। तेलंगाना के भद्राचलम में सोमवार सुबह गोदावरी नदी का जलस्तर 35.6 फुट, जबकि आंध्र प्रदेश के कुनावरम में 14.9 मीटर तक पहुंच गया। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''गोदावरी नदी में बाढ़ का पानी बढ़ रहा है। भद्राचलम में यह 35.6 फुट और कुनावरम में 14.9 मीटर तक पहुंच गया है।''

बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 19 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी

गांधीनगर/भाषा। गांधीनगर के एक वरिष्ठ नागरिक को 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी देकर तीन महीनों में 19.24 करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। यह राशि 30 अलग-अलग खातों में जमा करवाई गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (अपराध) धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले में सूरत के 30 वर्षीय एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है, जिसके बैंक खाते में ठगी की गई एक करोड़ रुपये की रकम स्थानांतरित की गई थी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित (उम्र का खुलासा नहीं किया गया है) के साथ यह धोखाधड़ी मार्च महीने में शुरू हुई और यह करीब तीन महीने तक जारी रही।

29-07-2025 सूर्यास्त 6:47 बजे | 30-07-2025 सूर्योदय 6:04 बजे

BSE	NSE
81,463.09	24,837.00
(-721.08)	(-225.10)

सोना	चांदी
10,284 रु.	116,534 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति की पाँति

कर्मों से बनी जातियां सब,
क्यों पैतृकता से है लगाव।
यदि कर्म बदल जाते हैं तो,
बदलेंगे संचित जड़ स्वभाव।
केवल हित रक्षण खातिर ही,
करते जाते हम भेदभाव।
कैसे होगा फिर खत्म कभी,
यह जाति व्यवस्था का दबाव।।

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार पर कोई चर्चा नहीं हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमित शाह ने विपक्ष पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे विदेश मंत्री पर नहीं, बल्कि विदेशी बयानों पर भरोसा करते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका से बातचीत में किसी भी स्तर पर व्यापार के विषय का कोई लेनादेना नहीं था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून तक कोई बातचीत नहीं हुई।

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए जयशंकर ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इस दौरान अमेरिका से बातचीत में व्यापार से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं आया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघर्ष रुकवाने के दावों को लेकर विपक्ष के सवालों पर जयशंकर ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से 17 जून के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ।'' उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को ट्रंप ने पहलगाम हमले के बाद मोदी से बात की थी और 17 जून को मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान दोनों की फोन पर बात हुई थी।

193 में से सिर्फ 4 देशों ने किया विरोध

पहलगाम हमले के बाद भारत को विदेश से समर्थन नहीं मिलने के विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से पाकिस्तान और तीन अन्य देशों को छोड़कर सभी ने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया था।

विदेश मंत्री ने सदन में कहा, ''पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। हमारी सीमाएं लांघी गईं तो यह संदेश देना जरूरी था कि परिणाम अच्छे नहीं होंगे।''

उन्होंने हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित करने और अटारी सीमा बंद करने जैसे कूटनीतिक निर्णयों का जिक्र करते हुए कहा कि इन शुरुआती कदमों के बाद भारत का जवाब रुका नहीं। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक विमर्श और कूटनीतिक माहौल बनाकर यह स्पष्ट संदेश दिया कि उसकी ''आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने'' की नीति है और वह अपने लोगों की रक्षा करेगा।

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का सदस्य होने के नाते उस मंच पर इस संबंध में समर्थन पाना भारत के लिए कठिन था, लेकिन सुरक्षा परिषद के 25 अप्रैल के बयान को देखें तो इसमें कड़े से कड़े शब्दों में पहलगाम हमले की निंदा की गई। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से पाकिस्तान को छोड़कर केवल तीन ने ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।''

विदेश मंत्री ने कहा कि इस दौरान देश ने कोई बाहरी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और परमाणु ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुका। उन्होंने कहा कि 'क्वाड' और 'ब्रिक्स' जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की गई।

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने गत 17 जुलाई को 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया, जिसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने कहा कि 26-11 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की पृष्ठभूमि में यह फैसला आया। उन्होंने विपक्ष के कुछ सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''यह हमारी कूटनीति की सफलता है। हमारे कठोर कदमों की झलक दूसरे देशों में भी दिखी और फ्रांस, जर्मनी तथा यूरोपीय संघ ने आतंकवाद के खिलाफ रुख अपनाया।''

पाकिस्तान को हमारे सशस्त्र बलों ने जवाब दिया

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे के अनुसार हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को जवाब दिया और उसके हमलों को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि इसे प्रमाणित करने के लिए उपग्रह की तस्वीरें उपलब्ध हैं।

जयशंकर ने कहा, ''10 मई को कई फोन कॉल आए और बताया गया कि पाकिस्तान संघर्ष विराम को तैयार है। हमने कहा कि डीजीएमओ के माध्यम से पाकिस्तान से यह अनुरोध आना चाहिए।''

श्रीनगर में सेना के साथ मुठभेड़ में

पहलगाम हमले का कथित मास्टरमाइंड मारा गया

मुठभेड़ में उसके दो साथियों को भी मार गिराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था।

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके के जंगलों में सेना के शीर्ष पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के कथित मास्टरमाइंड और उसके दो साथियों को मार गिराया, जिसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा सुलेमान उर्फ आसिफ सोमवार को उस समय मारा गया, जब सुरक्षा बलों ने एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी संकेत एक ऐसे सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल का इशारा कर रहा था, जिसका उपयोग पहलगाम हमले के दोषियों ने भी किया था। अधिकारियों के मुताबिक, सेना की कार्रवाई में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान जिब्रान (जो पिछले साल सोनमर्ग सुरंग हमले में कथित रूप से शामिल था) और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था।

आतंकवादियों के एक सहयोगी को पकड़ा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया तथा उसके पास से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी मिलने के बाद उत्तरी कश्मीर के क्रालपोरा के चौकीबल इलाके के मरसरी गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया।

हिंदू धर्म का सार सभी को गले लगाने में निहित है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि ''कट्टर हिंदू होने का मतलब दूसरों का विरोध करना नहीं है'' और हिंदू धर्म का सार सभी को गले लगाने में निहित है।

आरएसएस से जुड़े 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' की ओर से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' में बोलते हुए भागवत ने मजबूत धार्मिक पहचान के बारे में एक 'आम गलतफहमी' को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया, ''अक्सर यह गलतफहमी होती है कि कट्टर हिंदू होने का मतलब दूसरों को गाली देना है। ऐसी गलतफहमी हो सकती है।''

भागवत ने कहा, ''सच्चा हिंदू होने का मतलब किसी का विरोध करना नहीं है, न ही इसका मतलब यह है कि हमें यह कहकर जवाब देना होगा कि हम हिंदू नहीं हैं। हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदू होने का सार सभी को गले लगाना है।'' उन्होंने कहा, ''जो कोई हिंदुओं को एकजुट करना चाहता है, उसे इस सार का ध्यान रखने की जरूरत है।''

'अगर मैं न होता, तो पाकिस्तान से युद्ध कर रहा होता भारत': ट्रंप का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हो सकता है कि जब हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, तब हम थोड़े स्वार्थी हों। लेकिन हमने कई युद्ध को रोका और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।

लंदन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर दावा किया कि यदि उन्होंने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया होता और सभी व्यापार वार्ता रोकने की धमकी नहीं दी होती, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया होता।

ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ आधिकारिक वार्ता से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने दुनिया भर में छह बड़े युद्ध को रोकने में हस्तक्षेप किया, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध भी शामिल है।

वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

स्कॉटलैंड के साउथ आयरशायर स्थित अपने टर्नबेरी गोल्फ रिसॉर्ट से मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ''हमने कई युद्धविराम करवाए... अगर मैं नहीं होता, तो छह बड़े युद्ध चल रहे होते - भारत पाकिस्तान के साथ लड़ रहा होता।'' ट्रंप ने कहा, ''हमारे पास कई ऐसे तनावपूर्ण क्षेत्र हैं जो युद्ध की स्थिति में थे। मेरा मानना है कि एक बहुत बड़ा मामला भारत और पाकिस्तान का था क्योंकि आप दो परमाणु राष्ट्रों की बात कर रहे हैं। वह एक बहुत बड़ा मामला था।''

ट्रंप शुक्रवार से स्कॉटलैंड की निजी यात्रा पर हैं। ट्रंप ने कहा, मैं पाकिस्तान और भारत दोनों देशों के नेताओं को जानता हूं और बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वे एक व्यापार समझौते की प्रक्रिया में थे और उसी समय परमाणु हथियारों की बात कर रहे थे, यह बेतुका है।''

उन्होंने कहा, ''तो मैंने कहा, 'यदि आप युद्ध करेंगे तो मैं आप लोगों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा' और वह ऐसा युद्ध होगा जो अन्य देशों तक फैल जाएगा। उसका परिणाम होता परमाणु प्रदूषण जो हम सभी को प्रभावित करता।''

ट्रंप ने कहा, ''जब वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू कर देते, तो वह चीज (विकिरण) हर जगह फैलती और वह बहुत बुरी स्थिति होती। तो हो सकता है कि जब हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, तब हम थोड़े स्वार्थी हों। लेकिन हमने कई युद्ध को रोका और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है।''

लोकसभा में मसूद अजहर को 'साहब' बोल बैठे ललन सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर को 'साहब' संबोधित कर बैठे। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए उनकी जुबान फिसल गयी। बिहार के मुंगेर से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''छह और सात मई की मध्यरात्रि को हमारी सेना ने पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया। उसमें सैकड़ों आतंकवादी मारे गए..आप सबने टीवी पर देखा होगा, बहुत से लोग जो आतंकवादियों के आका थे, वो रो रहे थे।'' सिंह ने कहा, ''मसूद अजहर साहब, हाफिज सईद, ये (सब) रो रहे थे कि मेरा सारा परिवार मर गया, काश मैं भी मर जाता।'' केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए यह भी कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में देश में आतंकवाद 'पनपा'। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद से लड़ने का ''आपमें न तो साहस था और न ही दम। आप केवल खानापूर्ति करते थे और घड़ियाली आंसू बहाते थे।''

'अंततः परिणाम मायने रखता है'

छोटे मुद्दों पर ध्यान देने से बड़े मुद्दों से भटक जाते हैं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रक्षा मंत्री ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार भी हमसे यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि उन्हें प्रश्न पूछना ही है तो यह पूछना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है 'हां'।

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्ष के नेताओं को निशाने पर लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, यह पूछने के बजाय यह पूछना चाहिए कि देश की सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराये और सुझाव दिया कि अभियान की सफलता पर बात की जानी चाहिए।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक बार भी हमसे यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि उन्हें प्रश्न पूछना ही है तो यह पूछना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है 'हां'। उन्होंने कहा, ''मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि आपको प्रश्न पूछना है तो यह पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उसका उत्तर है 'हां'। आपको प्रश्न पूछना है तो यह प्रश्न पूछिए कि जिन आतंकियों ने हमारी बहनों, हमारी बेटियों का सिंदूर मिटाया, क्या हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर में उन आतंकियों के आकाओं को मिटाया तो इसका उत्तर है 'हां'।'' सिंह ने कहा, ''आपको प्रश्न पूछना है तो यह पूछिए कि क्या जांबाज सैनिकों को कोई क्षति हुई है तो उत्तर है 'नहीं'। हमारे सैनिकों की कोई क्षति नहीं हुई।'' उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए और यह संख्या अधिक भी हो सकती है।

सिंह ने कहा कि जब लक्ष्य बड़े हों तो अपेक्षाकृत छोटे मुद्दों पर हमारा ध्यान नहीं जाना चाहिए, क्योंकि छोटे मुद्दों पर ही ध्यान देते रहने से देश की सुरक्षा और सैनिकों के सम्मान और उत्साह जैसे बड़े मुद्दों से ध्यान हट सकता है जैसा कि विपक्ष के कुछ साथियों के साथ हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''किसी भी परीक्षा के बाद परिणाम मायने रखता है। किसी परीक्षा में कोई बच्चा अच्छे अंक लेकर आ रहा है तो हमारे लिए उसके अंक मायने रखने चाहिए।

छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है एनईपी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मोदी ने एनईपी के पांच साल पूरे होने पर एक संदेश में कहा कि शिक्षा मंत्रालय मंगलवार को अखिल भारतीय शिक्षा समागम (एबीएसएस) का आयोजन कर रहा है और कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा, ''शिक्षा वह माध्यम है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और सपनों के अनुरूप आगे बढ़ सकें। आज देश गौरवशाली भारतीय संस्कृति से जुड़ी शिक्षा को तकनीक और वैश्विक मानकों से सुसज्जित कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।''

मोदी ने कहा, ''पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। चाहे वह मातृभाषा में शिक्षा हो, स्कूली शिक्षा को मजबूत करना हो या कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर देना हो, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल में भारत एक भव्य और विकसित देश के निर्माण की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इस दौरान हमारे युवाओं के आत्मविश्वास, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा समागम हमारे साझा संकल्प और सहयोग की भावना का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह आयोजन न केवल शैक्षणिक संस्थानों को अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीतियों और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासों को भी और सशक्त करेगा।''

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की नाट्य कुसुमांजलि सांस्कृतिक वेदिके द्वारा रविवार को रवींद्र कला क्षेत्र में आयोजित नृत्य रूपक उत्सव-2025 का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, श्रीनाथ एवं अन्य अतिथि।

'आत्मकल्याण के लिए जिनाज्ञा का पालन करना अति महत्त्वपूर्ण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी मलयाश्रीजी ने कहा कि जैन धर्म, जिनशासन में शिष्य व भक्तों के लिए जिनाज्ञा का पालन करना आत्मकल्याणार्थ सबसे महत्वपूर्ण है। तीर्थंकर भगवान ने जो आज्ञा की है, उसका यथावत परिपालन करना चाहिए तभी हमारा कल्याण संभव है।

जिनाज्ञा में ही धर्म है। जो जिनाज्ञा पालन में आलस्य, प्रमाद करता है, वह संसार में परिभ्रमण करता रहता है। अत: जिनाज्ञा का पालक एक दिन साध्य को सिद्ध कर लेता है।

साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि हमें हर कार्य लाभ के लिए नहीं अपितु आत्मकल्याण के लिए करना चाहिए। यदि जीवन में उपलब्धियां चाहिएं तो शिकायत करना छोड़ना होगा।

सागर बाफना ने बताया कि साध्वियों के दर्शन के लिए अहमदनगर, औरंगाबाद से श्रद्धालु परिवार उपस्थित हुए। महासती कंचनकंवर जी ने मंगल पाठ सुनाया। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदम चन्द बोहरा ने धन्यवाद दिया।

'ट्रस्ट के लिए आयकर, वस्तु व सेवा कर' विषय पर ज्ञानवर्धन सत्र का हुआ आयोजन

'जीतो' नॉर्थ चैप्टर के कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नॉर्थ चैप्टर एवं प्रोफेशनल फोरम के संयुक्त तत्वावधान में एफकेसीसीआई सभागार में 'ट्रस्ट के लिए आयकर, वस्तु एवं सेवा कर' संबंधित इंटरेक्टिव ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम की संकल्पना, उद्देश्यों एवं रूपरेखा से सबको अवगत कराया। इस अवसर पर जीतो के विभिन्न प्रकल्पों के वरिष्ठ पदाधिकारी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक संजय पितलिया एवं गणपत कवाड़ ने प्रमुख वक्ता प्रत्यक्ष कर विशेषज्ञ सीए एच. पदमचंद खींचा एवं सीए नरेंद्र जैन का परिचय कराया। सीए पदमचन्द खींचा ने ट्रस्ट की आय पर लागू प्रत्यक्ष-कर प्रावधानों की बारीकियों को विस्तारपूर्वक समझाते हुए बताया कि ट्रस्ट को कर छूट तभी प्राप्त होती है जब ट्रस्ट पारदर्शिता, नियमित लेखा परीक्षण, और समय पर आयकर रिटर्न दाखिल करने जैसे अनुपालनों का पालन करें। उन्होंने प्रतिभागियों को आगाह किया कि अनियमितता की स्थिति में ट्रस्ट की आय कर योग्य घोषित हो सकती है। सीए नरेंद्र जैन ने 12- पंजीकरण और 80जी अनुमोदन की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया। ङ्कअगले सत्र में मिलन मरोठी एवं सतीश पोरवाड़ ने अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी) विशेषज्ञ सीए ऋषभ सिंघवी एवं सीए हनीश एस का परिचय कराया। सीए ऋषभ सिंघवी ने धार्मिक, सेवा एवं परंपरागत ट्रस्टों की जीएसटी स्थितियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यदि ट्रस्ट केवल नि:शुल्क सेवा में संलग्न हैं तो उन पर सामान्यतः जीएसटी लागू नहीं होता परंतु, रेंटल इनकम, आयोजन शुल्क या अन्य वाणिज्यिक गतिविधियां होने पर वे जीएसटी के दायरे में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक होना ही पर्याप्त नहीं, सेवा का स्वरूप और आय का माध्यम भी महत्वपूर्ण होता है। सीए हनीश एस ने एनजीओ, हॉस्पिटल, एज्यूकेशन ट्रस्ट, सीएसआर ट्रस्ट जैसे संस्थानों पर जीएसटी की प्रावधानों की व्याख्या की।

उन्होंने यह भी बताया कि सेवा से जुड़ा हुआ दान भी कर के दायरे में आ सकता है, अतः ट्रस्टों को सतर्क रहते हुए समय पर पंजीकरण, इनवॉइसिंग और रिटर्न फाइलिंग जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में जीता नॉर्थ चैप्टर के पदाधिकारियों द्वारा चारों वक्ताओं का सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा ने सभी को धन्यवाद दिया।

गांधीनगर के तेरापंथ कन्या मंडल की संयोजिका, सहसंयोजिका व प्रभारी नियुक्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने लक्षिता सोलंकी को कन्या मंडल की संयोजिका, साची रायसोनी को सहसंयोजिका व मीना आच्छा एवं उर्मिला बरड़िया को प्रभारी नियुक्त किया है। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि कन्या मंडल कन्याओं को संगठित, संस्कारित व ज्ञानवान बनाने का उपक्रम है। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत के माध्यम से शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के अंतर्गत कन्या मंडल से मिताली सुंदेशा मूथा तथा नम्रता भंडारी ने अठाई की तपस्या का प्रत्याख्यान लिया। इस अवसर पर मंडल की उपाध्यक्ष लता गादिया, किरण गिलुंडिया, सहमंत्री विनीता मरोठी, प्रचार-प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा एवं निर्मला सोलंकी आदि उपस्थित थीं। संचालन मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी ने किया।

आशीष बने कार्याध्यक्ष व अनिल बने उपाध्यक्ष

अनिल बाफना

आशीष बाफना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने समिति के दो सेवाभावी कार्यकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा करते हुए बताया कि आशीष बाफना को कार्याध्यक्ष व अनिल बाफना को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। धारीवाल ने बताया कि बाफना बंधु समिति की हर सेवाभावी गतिविधि में शामिल होकर हर संभव सेवा सहयोग प्रदान करते हैं।

अभिमान व्यक्तित्व का पतन और स्वाभिमान जीवन का सम्मान है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

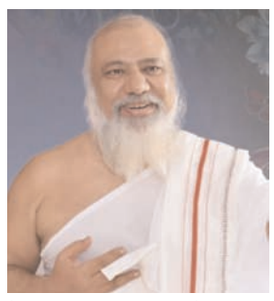

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में अपने प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि हमें जिसमें सुख की अनूभूति होती है उस कार्य को करने के लिए हम समय नहीं देखते हैं लेकिन हम हमारे आत्मकल्याण के कार्यो को करने में प्रायः समय देखते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि हमारा जीवन भी घड़ी के तीन कांटों के समान है, सेकेंड का कांटा हमारा बचपन है जो तीव्र गति से चला जाता है, मिनट का कांटा हमारी युवावस्था है जो सेकेंड के कांटे से थोड़ा धीरे चलता है और भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति में पूर्ण हो जाता है। घण्टे का कांटा हमारी वृद्धावस्था है जो धीरे धीरे चलता है और कब रुक जाए ये हमें मालूम ही नहीं चलता। हम बचपन नादानी, नासमझ में गंवा देते हैं। जवानी भौतिक सुखों में मशगूल रहकर गंवा देते हैं और वृद्धावस्था में हम शरीर की आसक्ति की वजह से कोई भी धार्मिक क्रिया और कार्य नहीं कर पाते हैं इसलिए हमें अपना ज्यादा से ज्यादा समय आत्मकल्याण करने में लगाना चाहिए। संतश्री ने कहा कि जिस तरह खोई हुई दौलत फिर कमाई जा सकती है, भूली हुई विद्या फिर याद की जा सकती है, खोया हुआ स्वास्थ्य चिकित्सा द्वारा लौटाया जा सकता है, पर खोया हुआ समय किसी प्रकार नहीं लौट सकता, उसके लिए केवल पश्चाताप ही शेष रह जाता है। आचार्यश्री ने बताया कि कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए।

अभिमान को सम्मान में परिवर्तित करने का प्रयास करना चाहिए। अभिमान से विद्या गौण होती है विनय व समकित चला जाता है। अभिमान तमाम गुणों का समाप्त कर देता है। अभिमान व्यक्तित्व का पतन है और स्वाभिमान जीवन का सम्मान है। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

धर्म हमारी रक्षा करता है और धर्म की शरण ही श्रेष्ठ शरण है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि श्रद्धा संकल्प को जन्म देती है। जीवन यात्रा में पग पग पर परिषह आते हैं। यदि जीवन में धर्म पर दृढ़ श्रद्धा नहीं हो तो हम विचलित हो कर सबसे पहले धर्म ही छोड़ देते हैं। अनाथी मुनि का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि धर्म हमारी रक्षा करता है और धर्म की शरण ही श्रेष्ठ शरण है। वैराग्य की भावना संसार के सुख में हमें भटकाती नहीं है। आत्मा के सुख के लिए ही हमें चिंतन करना चाहिए। आत्मा को भूल गए तो फिर हम चौरासी के चक्कर में ही भटकते रहेंगे। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है। धर्म सजावट, आडंबर और मात्र जयकारों में नहीं है। धर्म तो हमारे रोम रोम में बस जाना चाहिए, क्योंकि धर्म ही हमें दुर्गति से बचा सकता है। मिले हुए अवसर का लाभ उठाने वाला साधक होता है। ङ्कप्रवचन में नागौर जेपीपी महिला मंडल के सदस्याएं उपस्थित थीं। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

संयम की साधना ही जीव के सिद्धि का आधार है : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि संयम ही शाश्वत सुख का द्वार है। संयम की साधना ही जीव की सिद्धि का आधार है। संसार भटकाने वाला है और संयम की साधना जीव को इस संसार से तारने वाली है, इसलिए आगम शास्त्रों में वर्णन मिलता है और गुरु महाराज भी अपने प्रवचन में यही धर्म शिक्षा प्रदान करते हैं कि उन महान संयमी आत्माओं ने तीर्थंकर परमात्मा की शरण में जाकर एक ही बार उनकी वाणी सुनकर संसार के समस्त भौतिक सुख वैभव, विलास के पदार्थों का त्याग कर दिया और आत्मा को शाश्वत सुख प्रदान करने वाले संयम को स्वीकार करते हुए धर्म की शरण ग्रहण कर अपनी संयम साधना से अपनी आत्मा का कल्याण करते हुए परम पद मुक्ति मोक्ष को प्राप्त किया। मुनिश्री ने कहा कि जो भक्ति करता है वह अमर बन जाता है। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और परमार्थ की धारा से ऊपर उठकर जो अपनी आत्मा को विकास पथ पर आगे बढ़ाते हुए निर्विकार भाव को अपने में आत्मसात कर लेता है वह साधक अपनी आत्मा के समान सबकी आत्मा को समझते हुए अपनी आत्मा का साक्षात्कार करते हुए स्व दर्शन साधना के उच्चतम आदर्श शिखर को प्राप्त कर लेता है और यही हमारी धर्म आराधना का लक्ष्य होना चाहिए। संसार की मोह माया जीव को अंत में रुलाने वाली है। लेकिन संयम आत्मा की साधना जीव को शाश्वत सुख प्रदान करने वाली है। संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन

सामायिक करने से मन में समता, शांति आती है : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी व भुवनभूषण विजयजी की निश्रा में मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि सामायिक करने से मन में समता, शांति आती है। पूजा करने से चित्त में प्रसन्नता, सामायिक,आयंबिल, अट्ठम करने से जीवन में शुद्धता आती है। तपस्या करने से मन शांत हो जाता है, काम व विकार के दावानल से बच जाता है। मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में सफल होने के लिए गुरु की शरण में जाना चाहिए क्योंकि गुरु के पास हर समस्या का समाधान होता है। संतश्री ने एक कहानी के माध्यम से समझाया कि जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल भुगतना होता है।

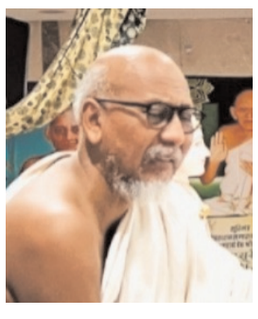

महान उद्देश्यों के लिए मिला है मनुष्य जीवन : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

आज से तीन दिवसीय तीर्थंकर कल्याणक पर्व आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। सोमवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में कषाय जय तप के पारणा समारोह में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को तपस्या की आसक्ति हो सकती है, पर आहार की आसक्ति नहीं होनी चाहिए। तपस्या आहार की लालसा को कम कर आध्यात्मिक उन्नति के लिए है। महान उद्देश्यों के लिए जीना मनुष्य जीवन की सार्थकता है। आहार के प्रति अत्यधिक आसक्त होना तो निपट अज्ञानता है। उन्होंने कहा कि

जीवन के लिए आहार अनिवार्य है। बिना आहार के जीने की परिकल्पना असंभव है, लेकिन आहार के लिए ही जीवन नहीं मिला है। मनुष्य का जीवन महान साधनाओं और सिद्धियों के लिए प्राप्त हुआ है। पशु-पक्षी और जीव-जंतु इतिहास नहीं बना सकते, लेकिन विवेकवान और धर्मवान मनुष्य इस धरा पर वो कर सकता है, जो दूसरे कोई प्राणी नहीं कर सकते। मनुष्य का जन्म असामान्य घटना है। इसलिए सभी को हमेशा यह स्मरण में रहना चाहिए कि मात्र खा-पीकर जीवन पूरा नहीं करना है। आहार की आसक्ति मनुष्य जीवन का दुर्भाग्य है। संघ के मंत्री हरीश गादिया ने बताया कि गुरुवंदना और बड़े मंगलपाठ के बाद सभी तपस्वियों ने अंबिका माता की पूजा-अर्चना की। गणि पद्मविमलसागरजी ने पारणे का संकल्प पाठ दिया। लाभार्थी परिवार ने मूंग के पानी से सभी तपस्वियों को पारणा करवाया। अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि मंगलवार को जैनधर्म के बावीसवें तीर्थंकर नेमिनाथ का जन्म महोत्सव यहां भव्यता से मनाया जाएगा। पीठिका पर नेमिनाथ की मनोहारी प्रतिमा की स्थापना होगी। विविध जड़ीबूटियों से उनके पंचाभिषेक होंगे। झूले में बाल नेमिनाथ की प्रतिष्ठा होगी।

मैसूरु जीतो प्रोफेशनल फोरम ने प्रोफेशनलों का किया सम्मान

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो प्रोफेशनल फोरम के तत्वावधान में जैन समाज के 5 चिकित्सक एवं 5 चार्टर्ड अकाउंटेंट का समाजहित में श्रेष्ठ सेवाएं देने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जीतो के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने सभी अतिथियों का परिचय दिया। केकेजी जोन के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले जीतो के कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रोफेशनल फोरम के संयोजक कुमारपाल कटारिया ने मैसूरु फोरम की जानकारी दी। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में आयकर विभाग की संयुक्त अपर आयुक्त कल्पलता राजन उपस्थित थीं। उन्होंने कर प्रणाली में केंद्र सरकार की ओर से किए जा रहे विभिन्न प्रकार के कर सुधार की जानकारी दी, साथ ही व्यापार में उपयोगी मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. मदनलाल जैन सहित अन्य चिकित्सकों ने खान-पान, रहन-सहन, आपाधापी व व्यस्त जीवन शैली के बारे में जानकारी देते हुए में स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह दी। उम्मेदराज रांका सहित अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने फोन पेमेंट एवं डिजिटल पेमेंट संदर्भित जानकारी दी। मैसूरु जीतो चैप्टर के वर्तमान व निवर्तमान पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया।

'अदम्य चेतना' ने राम जन्मभूमि पर लगाए 500 पौधे

बेंगलूरु/अयोध्या। मिड-डे मील कार्यक्रम को संचालित करने वाली समाजसेवी संस्था 'अदम्य चेतना', जिसकी संस्थापिका पूर्व सांसद दिवंगत अनंतकुमार की धर्मपत्नी तेजस्विनी अनंतकुमार हैं, के नेतृत्व में रविवार को राम जन्म भूमि परिसर अयोध्या में 500 से अधिक पौधे रौपे गए। स्व. अनंतकुमार द्वारा शुरू किए गए ग्रीन संडे पहल के तहत यह आयोजन किया गया जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस कार्यक्रम में तेजस्विनी अनंतकुमार, इन्दरकुमार नाहर और वेदव्यास भट्ट आदि ने पौधारोपण में सहयोग किया। डॉ तेजस्विनी अनंत कुमार ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया और लोगों से पौधारोपण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह पहल

न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक स्वस्थ और हरित भविष्य सुनिश्चित करेगी।

आपके द्वारा किया गया कर्म ही आपका साथ देगा : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ सकल जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने सोमवार को कहा कि समय के साथ आपकी काया का गुलाबी रंग उड़ जाएगा। जब बुढापा आएगा तो कोई साथ देने वाला नहीं मिलेगा। संसार का यही नियम है। पास में पैसा है तो दुनिया नाचती है, लेकिन पैसा नहीं है तो पड़सौ का सगा भाई भी नहीं पूछता है। कोई आपका संसार में नहीं है, यह जानना बहुत जरूरी है। आपके द्वारा किया गया कर्म ही आपका साथ देगा। आपका अच्छा कार्य ही आपके साथ रहेगा। यह पांच तत्व की काया एक दिन मिट्टी में मिल जाएगी। जब मौत पास आएगी तो बहुत पछताना होगा। इसलिए अभी अपने अकल से काम लें। मुनिश्री ने कहा कि आपको आपके किए हुए कार्यों का फल ही मिलेगा। सुख में सभी आपके साथ जाएंगे। जो करोगे उसका फल आपको जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पांच तत्व का शरीर एक दिन मिट्टी में ही मिलेगा, इसलिए इसको संभालने और संवारने में अपना जीवन व्यर्थ नहीं करना चाहिए। इसमें जीवन व्यर्थ किया तो जीवन में कुछ हासिल नहीं होगा। हमें अंत समय को सुधारने का प्रयत्न करना चाहिए। जीवन का नाम ही परिवर्तन है। लेकिन हम समझ नहीं पाते हैं। सेवा करने वाले को मेवा जरूर मिलता है। सेवा करने का मौका मिले तो पीछे नहीं हटना चाहिए। अपना फल, अपनी करनी अपनी है। आचार्यश्री शोभाचंद जी की पुण्यतिथि व आचार्यश्री आनंद ऋषि जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके जीवन गाथा की महिमा सुनाई गई। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुंकड़ ने किया।

राम्या को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री के खिलाफ कार्रवाई हो : कर्नाटक राज्य महिला आयोग

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने सोमवार को बेंगलूरु पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर आग्रह किया कि वह कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के प्रशंसकों की ओर से पूर्व सांसद एवं अभिनेत्री राम्या के बारे में सोशल मीडिया पर की जा रही ''अपमानजनक टिप्पणियों'' के खिलाफ कार्रवाई करें। पत्र में कहा गया है, ''पूर्व सांसद और फिल्म अभिनेत्री राम्या के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक संदेश पोस्ट किए जाने की खबर है। इससे महिलाओं की गरिमा प्रभावित हो रही है और राज्य महिला आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है।''

कर्नाटक में यूरिया की कमी को लेकर 'गलत सूचना' फैला रही है भाजपा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर यूरिया के बारे में ''गलत सूचना'' फैलाने का आरोप लगाया और अपर्याप्त आपूर्ति के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर उंगली उठायी। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्य को तुरंत उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग की है क्योंकि समय से पहले मानसून आने के कारण बुवाई का रकबा बढ़ गया है। उन्होंने भाजपा नेताओं से आग्रह किया कि वे विरोध प्रदर्शन करने के बजाय केंद्रीय मंत्री से बात करें और आपूर्ति सुनिश्चित करें।

मंड्या जिले के मद्दूर में कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। उक्त सम्मेलन में विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया और आधारशिलाएं रखी गईं। सिद्दरामय्या ने कहा, ''भाजपा गलत जानकारी फैलाती है... उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, लेकिन केंद्र सरकार आवश्यक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने में असमर्थ रही है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्य को 6,80,655 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति करनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 5,16,959 मीट्रिक टन ही भेजी गई है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''मैंने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इस बार मानसून जल्दी शुरू हो गया है। किसानों ने बुवाई का रकबा बढ़ा दिया है, जिसके लिए उर्वरक की आवश्यकता है और मैंने केंद्र से आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।''

इस बीच, भाजपा किसान मोर्चा ने सोमवार से सप्ताह भर का राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया और राज्य सरकार पर गलत प्रबंधन के कारण विभिन्न हिस्सों में यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा करने का आरोप लगाया। भाजपा का कहना है कि इससे किसानों में घबराहट फैल गई है। पार्टी ने बिचौलियों और व्यापारियों पर उर्वरक का स्टॉक जमा करने का आरोप भी लगाया।

भाजपा पर यूरिया की कमी के मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''क्या हमें भाजपा या विजयेंद्र येडीयुरप्पा (राज्य भाजपा अध्यक्ष) से कोई सबक सीखना चाहिए? जब उनके पिता बीएस येडीयुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब यूरिया और बीज समय पर नहीं पहुंचे, जिसके कारण किसानों ने प्रदर्शन किया था। उस प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी हुई, जिसमें दो किसानों की मौत हो गई थी। उन्हें (भाजपा को) शर्म आनी चाहिए। उन्होंने पहले भी दो किसानों की हत्या की है।''

उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश और हरियाणा में यूरिया और डीएपी (डाइअमोनियम फॉस्फेट) जैसे अन्य उर्वरकों की आपूर्ति नहीं हो रही है। सिद्दरामय्या ने कहा कि उर्वरक की आपूर्ति केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है और राज्य सरकार का काम केवल इसे वितरित करना है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) कह रहे हैं कि वे राज्य में आंदोलन करेंगे।

राजनीति करने के बजाय, भाजपा नेताओं विजयेंद्र, आर. अशोक और सांसदों को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के पास जाना चाहिए और राज्य के लिए उर्वरक लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखे हुए कुछ दिन हो गए हैं, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है और न ही उर्वरक की आपूर्ति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की राजनीतिक रणनीति के बावजूद कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा, मद्दुर में कांग्रेस विधायक के.एम. उदय एक बार फिर जीतेंगे। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी, सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक और मंत्री मौजूद थे। सिद्दरामय्या ने कहा कि उनकी सरकार ने एक ही दिन में 1,146 करोड़ रुपये से ज़्यादा के विकास कार्यों की शुरुआत की है। उन्होंने भाजपा पर राजनीति के लिए यह झूठी जानकारी फैलाने का आरोप लगाया कि सरकार के पास पैसा नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर पैसा नहीं होता, तो क्या करोड़ों रुपये के विकास कार्य शुरू करना संभव होता?'' उन्होंने कहा कि लगभग 55,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत से पांच गारंटी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इन योजनाओं का पैसा बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचे।

मंड्या के सभी सात निर्वाचन क्षेत्र मेरे लिए कनकपुरा जितने ही महत्वपूर्ण हैं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मद्दुर। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, मंड्या के सात निर्वाचन क्षेत्र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितना कनकपुरा मेरे लिए महत्वपूर्ण है। पूरी सरकार मद्दुर के विधायक उदय के साथ खड़ी है। हमने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का कर्ज़ चुकाने के लिए 1146 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को मद्दुर में आयोजित विभिन्न विभागों की 1146 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में बात की। उन्होंने कहा, हम आज यहाँ आपसे शाबाशी पाने नहीं आए हैं। आपने इस निर्वाचन क्षेत्र से हमारे उम्मीदवार उदय को जिताकर ज़िले की 7 में से 6 सीटों पर कांग्रेस का समर्थन किया है। हम राज्य में 136 विधायकों वाली एक मज़बूत सरकार बनाने में आपकी मदद का ऋण चुकाने आए हैं।

मैं सिंचाई विभाग के कार्यालय का उद्घाटन कर रहा हूँ। हमने मालवल्ली तक पानी पहुँचाया है और मद्दुर में नहरों के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि उपलब्ध कराई है। चेलुवरायस्वामी भी साक्षीगुड्डे छोड़कर किसानों के बच्चों के लिए एक कृषि विश्वविद्यालय लाने के लिए आगे आए हैं। ज़िले के सभी सातों निर्वाचन क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। कांग्रेस की

सरकार तब बनी जब इस ज़िले से सबसे ज़्यादा विधायक जीते थे।

उन्होंने बताया, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 4.08 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। 52 हज़ार करोड़ रुपये गारंटी योजनाओं के लिए, हमारी सरकार किसानों के पंप सेटों को मुफ़्त बिजली दे रही है, 19 हज़ार करोड़ प्रति वर्ष, समाज कल्याण विभाग और अन्य विभागों से 25 हज़ार करोड़ रुपये लोगों को दिए जा रहे हैं। हम पेंशन के लिए 10,900 करोड़ रुपये दे रहे हैं। इस तरह, हम बजट का 1 लाख करोड़ रुपये लोगों को दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आप सभी को भाजपा से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने सत्ता में रहते हुए ऐसी कोई योजना लागू की थी? क्या उन्होंने मुश्किल में फंसे लोगों की मदद की? नहीं। इसीलिए वे हमारे बारे में बात करने का साहस खो चुके हैं। उपलब्धि यूँ ही नहीं मिलती। यह समय के पाँव तले नहीं, बल्कि प्रयास के शिखर पर मिलती है। हमारी कांग्रेस सरकार कई कार्यक्रमों के ज़रिए लोगों का जीवन बदल रही है। पार्टी कार्यालय के लिए अपनी संपत्ति देने के लिए उदय को बधाई। उन्होंने कहा कि हम अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। मांड्या जिले के विकास के लिए हम और भी कई कार्यक्रम बना रहे हैं। हमारे मंत्रियों द्वारा अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्यक्रम बनाए हैं। एमएलसी दिनेश गूली गौड़ा और मधुमादे गौड़ा अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं जेडीएस नेताओं से एक बात कहना चाहता हूँ। अपना समय बर्बाद मत करो। अब जो भी हो, कांग्रेस का समय है। जैसे शिवपुरा सौधा में राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा है, वैसे ही राज्य में कांग्रेस का ध्वज निरंतर फहराता रहेगा। अपने जीवन के बारे में सोचो और इसे याद रखो।

उन्होंने आह्वान किया कि कांग्रेस की शक्ति देश की शक्ति है, कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है, अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो यह आपके जीवन को शक्ति देगी। पूरी सरकार उदय के साथ है। निर्वाचन क्षेत्र के सभी लोगों को बिना किसी दलीय संबद्धता के उदय का समर्थन करना चाहिए।

हाशिये पर पड़े लोगों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल कर रही है कांग्रेस : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि पिछले ढाई सालों में सत्ता में रहते हुए पार्टी ने हाशिये पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया है। आज भाजपा के राज्य मुख्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए, विजयेंद्र ने कांग्रेस पार्टी और सरकार पर लगातार उत्पीड़ित समुदायों का वोट बैंक के रूप में शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस का इन समुदायों को धोखा देने का इतिहास रहा है और वह अब भी ऐसा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाशिये पर पड़े समुदायों के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक उत्थान के लिए आवंटित अनुदानों को गारंटी योजनाओं के लिए धन मुहैया कराने में लगाया जा रहा है, जिससे उन लोगों के साथ अन्याय हो रहा है जिन्हें वास्तव में सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायिका के अंदर और बाहर,

इस अन्याय के खिलाफ लगातार लड़ रही है।

विजयेंद्र ने आगे दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या हाशिये पर पड़े वर्गों के साथ विश्वासघात करते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2025-26 के बजट में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के विकास के लिए निर्धारित 11,896 करोड़ एक बार फिर अन्य कार्यक्रमों में लगा दिए गए, जिससे इन समुदायों को न्याय नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा विधानसभा में उठाया जाएगा और सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का मानना है कि लाभ और न्याय समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए और इसी विश्वास के अनुरूप पार्टी एक मज़बूत आंदोलन चलाएगी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज़ बनने की अपनी ज़िम्मेदारी पूरी करेगी। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर पिछड़े समुदायों के लिए घड़ियाली आँसू बहाने और सिद्दरामय्या के नेतृत्व में जनता का विश्वास जीतने और सत्ता हासिल करने के लिए -हिन्दी मंच का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व में अन्याय हो रहा है और भाजपा इस पर सवाल उठाती रहेगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हालिया टिप्पणियों का ज़िक्र करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि खरगे ने राज्य के लोगों के साथ अपनी पीड़ा और निराशा खुलकर साझा की है। पार्टी में 40-50 साल काम करने और संगठन में योगदान देने के बावजूद, खरगे ने खुलासा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से वंचित रखा गया। उन्होंने आगे कहा कि खरगे की टिप्पणियों ने अप्रत्यक्ष रूप से यह उजागर कर दिया है कि गांधी परिवार, कांग्रेस पार्टी और सिद्दरामय्या अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ कैसे अन्याय करते रहे हैं। विजयेंद्र ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी खरगे की टिप्पणियों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा, इस सवाल का जवाब तो समय ही देगा।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग महिला की मौत

मंगलूरु। मंगलूरु के सुल्लिया इलाके में सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात कल्लुगुंडी डाकघर के पास की है जब सड़क पार करते समय गांव संपाजे बैलु निवासी कमला चेतकर को एक मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। उसने बताया कि महिला को तत्काल केवीजी अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि कमला, संपाजे ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष कुमार चेतमर की मां थीं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना
(ई-टेंडरिंग के जरिए)

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
1	निविदा सूचना सं.	रू 6,24,19,863.45
	बीई-टीएलएसी-पीसी-कमिन्स-2025-3 दिनांक 22.07.2025. बंगलूरु मंडल के ईओजी/एचओजी मोड में कमिन्स मेक के डीए सेटों के साथ फिटिड पावर कार का एक वर्ष की अवधि के लिए समग्र अनुरक्षण, एस्कोर्टिंग और प्रचालन।	
2	निविदा सूचना सं.	रू 3,78,28,976.78
	बीई-टीएलएसी-पीसी-ग्रीव्स-2025-4 दिनांक 22.07.2025. बंगलूरु मंडल के ईओजी/एचओजी मोड में ग्रीव्स मेक के डीए सेटों के साथ फिटिड पावर कार का एक वर्ष की अवधि के लिए समग्र अनुरक्षण, एस्कोर्टिंग और प्रचालन।	
3	निविदा सूचना सं.	रू 1,12,39,038.89
	बीई-टीएलएसी-पीसी-केओईएल-2025-3 दिनांक 22.07.2025. बंगलूरु मंडल के ईओजी/एचओजी मोड में किरलोस्कर (केओईएल) मेक के डीए सेटों के साथ फिटिड पावर कार का एक वर्ष की अवधि के लिए समग्र अनुरक्षण, एस्कोर्टिंग और प्रचालन।	

निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 12.08.2025, 1500 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता/सामान्य बंगलूरु
PUB/339/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

वाडियार राजा का अनादर नहीं किया, बयान की 'गलत व्याख्या' की गई : यतींद्र सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे यतींद्र ने सोमवार को मैसूरु में अपने पिता के योगदान की तुलना नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार से करने वाले अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी की ''गलत व्याख्या की गई है'' और उनका वाडियार राजा के कार्यों का अपमान करने या उसे कमतर दिखाने का कोई इरादा नहीं था। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) यतींद्र ने विपक्ष की माफी की मांग को भी खारिज कर दिया तथा मैसूरु साम्राज्य के 24वें महाराजा के प्रति सम्मान व्यक्त किया, जिन्होंने 1884 से 1940 में अपनी मृत्यु तक शासन किया।

यतीन्द्र ने दावा किया था कि उनके पिता सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मैसूरु को दिए गए अनुदान और शहर के कल्याण के मामले में नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार के योगदान को यदि पीछे नहीं छोड़ा है तो उसकी बराबरी जरूर कर ली है।'' यतींद्र ने कहा, ''इसकी गलत व्याख्या की जा रही है। मैंने यह बात नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार को अपमानित करने के इरादे से नहीं कही थी। तत्कालीन मैसूरु

रियासत या कर्नाटक राज्य में नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार का योगदान बहुत बड़ा है। मेरा इरादा उनके योगदान को कम आंकना और हमारी सरकार की प्रशंसा करना नहीं था।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार के बाद अगर कोई सरकार या मुख्यमंत्री है, जिसने मैसूरु को अधिक अनुदान दिया है, तो वह कांग्रेस सरकार और सिद्दरामय्या हैं।

उन्होंने कहा, ''उन्हें (विपक्ष को) आंकड़े देखने दीजिए, किसी भी मुख्यमंत्री ने मैसूरु को उतना अनुदान नहीं दिया जितना मेरे पिता ने दिया है। मैंने भी यही कहा था।'' माफ़ी मांगने की मांग के बारे में पूछे जाने पर यतींद्र ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है।

यतीन्द्र के पिछले बयान की आलोचना हुई थी, खासकर राज्य की विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) की ओर से। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की थी कि यतीन्द्र माफी मांगें। नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार को महात्मा गांधी ने 'राजर्षि' कहा था और उनका राज्य में काफी सम्मान किया जाता है, विशेषकर पूर्ववर्ती मैसूरु रियासत क्षेत्र में, जिसमें कर्नाटक के वर्तमान 14 जिले शामिल हैं। यतींद्र द्वारा तुलना के लिए माफ़ी मांगने से इनकार करने पर प्रतिक्रिया जताते हुए, मैसूरु के भाजपा सांसद और शाही परिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने कहा कि वह इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि लोग अपनी प्रतिक्रिया देंगे।

उन्होंने मैसूरु में कहा, यह स्थानीय लोगों के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है। मैं पहले ही कह चुका हूं - अगर आपके पास नेतृत्व है तो आपको अच्छा काम करना चाहिए, तुलना नहीं करनी चाहिए। मैं अपना काम इस लक्ष्य से नहीं कर रहा हूं कि मुझे किसी के द्वारा पूर्व में किये गए काम से ज़्यादा करना है। मैं लोगों से किए गए वादे और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम कर रहा हूं।'' उन्होंने यह भी कहा कि माफी मांगना एक ऐसी चीज है जो उन्हें (यतींद्र को) तथ्यों को देखते हुए स्वाभाविक रूप से करनी ही होगी।

दपरे के 'गति वृद्धि कार्यक्रम' से माल ढुलाई और यात्री परिवहन में हो रहा फायदा

दक्षता बढ़ाने, ट्रांजिट समय को कम करने में मिल रही मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) अपने पूरे नेटवर्क में व्यापक गति वृद्धि कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रहा है। इससे परिचालन दक्षता बढ़ाने के साथ ही ट्रांजिट समय को कम करने में मदद मिल रही है। यह पहल माल ढुलाई और यात्री परिवहन, दोनों क्षेत्रों में लाभदायक है। हुब्बल्ली (यूबीएल), बेंगलूरु (एसबीसी) और मैसूरु (एमवाईएस) मंडल इन अपग्रेड्स में सबसे आगे हैं, जिसमें लूप लाइनों पर गति बढ़ाना और प्रमुख मार्गों पर अधिकतम एमपीएस को बढ़ावा देना शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, दपरे ने बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुल 15 स्टेशनों की लूप लाइन की गति बढ़ाकर 30 किमी प्रति घंटा कर दी गई है, जो पूरे क्षेत्र में 19 लूपों को कवर करती है। यह समायोजन मुख्य लाइनों में प्रवेश करने या बाहर निकलने के लिए ट्रेनों द्वारा वेटिंग में लगने वाले समय को काफी कम कर देता है। हुब्बल्ली मंडल ने इस प्रयास का नेतृत्व किया, जिसके तहत 10 स्टेशनों और 12 लूपों को अपग्रेड किया गया है। इससे वर्ष में लूप लाइन सुधार के जरिए कुल 45 मिनट की बचत हुई। बेंगलूरु मंडल ने 591 किमी ट्रैक को अपग्रेड किया और 41 मिनट

बचाए। अपग्रेड्स में 281 किमी ट्रैक पर गति को 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे करना तथा 495 किमी ट्रैक पर गति को 100 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटे करना शामिल है।

हुब्बल्ली मंडल ने 4 स्टेशनों पर 5 लूप लाइनों का और विस्तार किया है, जिससे 12 मिनट की अतिरिक्त बचत हुई है। एमपीएस के संदर्भ में, दपरे ने पहले ही 135 ट्रैक किलोमीटर को अपग्रेड कर लिया है, जिससे 17 मिनट का समय बचा है। इस अवधि में मैसूरु मंडल ने अग्रणी स्थान प्राप्त करते हुए 82.22 किमी की गति को अपग्रेड किया है। दपरे ने बताया कि जारी गति वृद्धि कार्यक्रम 3,692 किमी लंबे नेटवर्क में यात्रा को पूरी तरह बदल रहा है। हम लूप लाइनों को उन्नत करके और सेक्शनल गति बढ़ाकर यात्रियों का समय बचा रहे हैं और माल ढुलाई की दक्षता बढ़ा रहे हैं। इससे सभी के लिए तेज़ और अधिक विश्वसनीय यात्रा सुनिश्चित हो रही हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
1	अशोकपुरम रेलवे स्टेशन के मौजूदा फुट ओवर ब्रिज पर प्लेटफार्म 1, प्लेटफार्म 2 और 3, प्लेटफार्म 4 और 5 तथा प्लेटफार्म 6 पर प्रत्येक पर एक लिफ्ट का प्रावधान (कुल 4 लिफ्ट्स) निविदा सं. वाई/ई.29/2025-26/28 दिनांक 21.07.2025	रू 16,13,039.16/-
	निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 11.08.2025 को 11.00 बजे तक	
2	हावेरि रेलवे स्टेशन के मौजूदा फुट ओवर ब्रिज पर प्लेटफार्म नं. 1 तथा 2 पर प्रत्येक पर 1 लिफ्ट तथा कृष्णराजनगर रेलवे स्टेशन पर मौजूदा फुट ओवर ब्रिज पर प्लेटफार्म नं. 2 पर 1 लिफ्ट का प्रावधान (कुल लिफ्टों की संख्या-3) निविदा सं. वाई/ई.29/2025-26/29 दिनांक 21.07.2025	रू 8,10,536.07/-
	निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 11.08.2025 को 11.00 बजे तक	
3	हासन-मंगलूरु खण्ड पर कडगरवल्ली-यडकुमरी स्टेशनों के बीच सुरंग स. 7 से 25 तक के लिए विद्युत आपूर्ति और लाइटिंग की व्यवस्था। निविदा सं. वाई/ई.29/2025-26/30 दिनांक 22.07.2025	रू 1,43,23,104.75/-
	निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 12.08.2025 को 11.00 बजे तक	
4	हासन-मंगलूरु खण्ड पर कडगरवल्ली-सुब्रहमण्य रोड रेलवे स्टेशनों के बीच सुरंग स. 26 से 57 तक के लिए विद्युत आपूर्ति और लाइटिंग की व्यवस्था। निविदा सं. वाई/ई.29/2025-26/31 दिनांक 22.07.2025	रू 1,79,24,892.8/-
	निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि: 13.08.2025 को 11.00 बजे तक	

विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मण्डलीय विद्युत अभियंता/सामान्य मैसूरू
PUB/332/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

मैसूरु में एमडीएमए फैक्टरी का भंडाफोड़

पुलिस को नशीले पदार्थों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य में मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों को गंभीरता से लेने और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को दिए हैं। यह निर्देश महाराष्ट्र पुलिस द्वारा स्थानीय पुलिस के सहयोग से मैसूरु में एक एमडीएमए (एक्स्टेसी) निर्माण इकाई का भंडाफोड़ कर के बाद आया है।

गृहमंत्री ने इस घटना को स्थानीय पुलिस की चूक मानते हुए कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार को मैसूरु शहर पुलिस के साथ समन्वय करते हुए महाराष्ट्र पुलिस ने एमडीएमए निर्माण फैक्टरी में छापा मारा। वहां से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए गए और चार लोगों को गिरफ्तार कर मुंबई ले जाया गया, जहां प्राथमिकी दर्ज है।

गृहमंत्री परमेश्वर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मुंबई पुलिस ने किसी को पकड़ा-शायद मादक पदार्थ का कारोबार करने वाला कोई व्यक्ति या उपभोक्ता, मैं स्पष्ट नहीं जानता। उसने बयान में कहा कि एमडीएमए मैसूरु से लाया गया था। इसके आधार पर वे यहां आए और एक फैक्टरी में छापेमारी की जहां कुछ लोग मादक पदार्थ निर्माण करते पाए गए। उन्होंने कहा, प्रश्न यह है कि हम इस प्रकार की गतिविधियों की निगरानी को लेकर कितने सतर्क हैं। इसी कारण मैंने मैसूरु आयुक्तालय और पूरे राज्य के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। हर पुलिस अधीक्षक और हर आयुक्तालय को यह समझा दिया गया है कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। अन्यथा, पुलिस की भूमिका का क्या औचित्य है?

गृहमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर क्षेत्रीय थाने की पुलिस को अपने क्षेत्र में मादक निर्माण जैसी गतिविधियों की जानकारी नहीं होती और किसी अन्य राज्य की एजेंसी आकर छापा मारती है, तो यह सीधे तौर पर लापरवाही का संकेत है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य की पुलिस को नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए संवेदनशील बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के बाद नरसिंहराजा थाना (मैसूरु) के निरीक्षक लक्ष्मीकांत तलवार को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्रों में निरंतर निगरानी बनाए रखें

यादगिर। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खांड्रे ने सोमवार को वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्रों में निरंतर निगरानी बनाए रखने और मानव जीवन तथा किसानों की फसलों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। यह निर्देश ऐसे समय में दिए गए हैं, जब हाल ही में चिकमगलूरु जिले में हाथियों के हमले में दो लोगों की मौत हो गई थी। इन मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए मंत्री ने एक बयान में कहा कि हाथियों को जब भी मानव बस्तियों में देखें तो वन अधिकारी तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को तुरंत सूचित किया जाए और जानवरों को वापस जंगल में खदेड़ने के लिए आपातकालीन उपाय किये जाएं।

एसआईटी ने धर्मस्थला में स्थल निरीक्षण शुरू किया

धर्मस्थला। कर्नाटक के धर्मस्थला में शवों को कथित रूप से सामूहिक तौर पर दफनाने के स्थान की जांच के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एसआईटी के पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने सोमवार को स्थल निरीक्षण शुरू किया। यह जानकारी पुलिस ने दी। भूमि अभिलेख अधिकारियों, स्थानीय पुलिस और जिला प्राधिकारियों के साथ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने धर्मस्थल के प्रवेश द्वार पर नेत्रवती नदी के स्नान घाटों सहित कई स्थानों का दौरा किया।

एसआईटी ने कडाबा तहसीलदार प्रभाकर खजुरे के साथ मिलकर नेत्रवती नदी के तट पर प्रारंभिक स्थल निरीक्षण किया। यह निरीक्षण स्थानीय समूहों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भूमि के कुछ हिस्सों का उपयोग सामूहिक तौर पर दफनाने के लिए किया गया हो सकता है।

जैसलमेरः सरकारी स्कूल का प्रवेशद्वार गिरने से बच्चे की मौत, एक छात्रा व अध्यापक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसलमेर जिले में सोमवार को एक सरकारी स्कूल भवन का प्रवेशद्वार गिरने से सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई जो अपनी बहन को स्कूल से लेने आया था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक छात्रा व एक शिक्षक घायल हो गए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा सोमवार को गांव पूनमनगर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में छुट्टी होने के समय हुआ। प्रवेशद्वार गिर गया और अपनी बहन को लेने आए बच्चे की मौत हो गई जबकि शिक्षक अशोक कुमार सोनी (40) तथा एक अन्य छात्रा प्रिया (पांच) घायल हो गए। मृतक की पहचान अरबाज खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रवेशद्वार की स्थिति पिछले कुछ समय से जर्जर थी। हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम, उपखंड अधिकारी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं स्थिति का जायजा लिया। घायल शिक्षक व छात्रा को प्राथमिक उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए एवं कहा कि इस जांच में अगर कोई दोषी पाया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के समस्त सरकारी विद्यालयों में भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जाए एवं जहां भी मरम्मत या पुनर्निर्माण की आवश्यकता हो, वहां प्राथमिकता से कार्य करवाया जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया है। घटना से गुस्साए परिजन बच्चे के शव के साथ स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। एक अधिकारी ने कहा, परिजनों से बातचीत जारी है।

राज्य में सरकारी स्कूल भवन का हिस्सा गिरने की चार दिन में यह दूसरी घटना है। पिछले शुक्रवार को झालावाड़ के पिपलोदी में सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से सात छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि यह हादसा राज्य सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, झालावाड़ दुखांतिका के बाद इस प्रकार से एक बार फिर एक छात्र की मृत्यु होना प्रदेश सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। गहलोत ने लिखा, अभी बारिश का मौसम चल रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मेरा आग्रह है कि शीघ्रता से कदम उठाएं ताकि किसी और मासूम की जान न जाए।

बारां में उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन का हिस्सा ढहा

बारां। राजस्थान में बारां में लगातार हो रही बारिश के चलते अब जर्जर भवनों के गिरने का सिलसिला जारी हो गया है, बारां में दो दिनों से लगातार बारिश से सोमवार को बारां– कोटा रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुराने रियासतकालीन भवन का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह जब शिक्षकगण विद्यालय पहुंचे तो घटना का पता चला।

सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर शिक्षा विभाग के शिक्षा अधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और वहां निरीक्षण किया। तोमर ने विद्यालय प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश भी दिए। सूत्रों के अनुसार भवन का जो हिस्सा गिरा है वहां पहले फिजिक्स की प्रयोगशाला संचालित होती थी। कुछ समय पहले इस कमरे की मरम्मत भी करवाई गई थी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि जो हिस्सा गिरा है, उसे पिछले सत्र से ही जर्जर घोषित कर दिया था। इसलिए वहां बच्चों का आना–जाना नहीं था। यह भी बताया जा रहा है कि इस विद्यालय भवन की स्थाई मरम्मत और नवनिर्माण के प्रस्ताव सरकार को भेजे हुए थे, लेकिन अब तक कोई बजट आवंटित नहीं हुआ।

खेलों से सामाजिक समरसता और एकता का होता है विकास : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शारीरिक और मानसिक विकास के लिए युवाओं का खेलों से जुड़ना जरूरी बताते हुए कहा है कि खेलों से समाज में सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का विकास होता है।

देवनानी ने सोमवार को रेनवाल मांझी रोड पर नवनिर्मित राजस्थान यूनाईटेड फुटबॉल क्लब में आवासीय फुटबॉल अकादमी का उद्घाटन किया और यह बात कही। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़ने पर युवा के सपनों को नई उडान मिलती है और युवाओं में हार जीत के साथ उनके हौंसलों को नया सम्बल मिलता है।

उन्होंने अकादमी भवन का अवलोकन भी किया और फुटबॉल के खिलाडियों से मुलाकात कर उनका हौंसला बढ़ाया। देवनानी ने कहा कि राजस्थान में फुटबॉल खेल के क्षेत्र में यह अकादमी मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिए नारे खेलों इंडिया बढाओं इंडिया को साकार करने के लिए अकादमी का निर्माण सराहनीय कदम है। उन्होंने खेलों के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी की आवश्यकता प्रतिपादित की।उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में युवा नहीं बल्कि नये भारत का सुनहरा भविष्य दौड़ता है।उन्होंने कहा कि खिलाडियों का आव्हान किया कि वे भारत और राजस्थान को खेल के क्षेत्र में अग्रहणी बनाये।

उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार हर स्तर पर सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल में भी भारत ख्याति प्राप्त कर सकता है। इसके लिए हमे प्रतिभाओं को तलाशना और तरासना होगा। इस क्षेत्र में नये खिलाड़ी तैयार करने में अकादमी का महत्वपूर्ण योगदान हो सकेगा।

विदेश में शिक्षा दिलाने की योजना में अभी तक जारी नहीं की गई स्कॉलरशिप : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर 500 बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाने वाली राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सिलेंस योजना को नाम बदल कर बर्बाद कर देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि विदेशों में एडमिशन सेशन खत्म होने वाला है पर अभी तक स्कॉलरशिप जारी नहीं की गई है। गहलोत ने सोमवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 500 बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाने वाली राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सिलेंस का न केवल नाम बदलकर विवेकानंद स्कॉलरशिप किया बल्कि इस योजना को बर्बाद कर दिया है। पिछली साल भी विद्यार्थियों को ऐसे ही परेशानी हुई थी। उन्होंने कहा कि विदेशों में एडमिशन सेशन खत्म होने वाला है पर अभी तक स्कॉलरशिप जारी नहीं की गई है जिसके कारण फीस जमा नहीं हो सकी है। सरकार का तर्क है कि फीस का बाद में पुनर्भरण कर दिया जाएगा परन्तु इन गरीब– मध्यमवर्गीय परिवारों के पास यदि इतनी फीस होती तो ये स्कॉलरशिप के इंतजार में क्यों रहते। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरन्त इस विषय पर ध्यान देना चाहिए जिससे इन युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से बच सके।

राजस्थान में आगामी दिनों में भारी बारिश की आशंका, कई जिलों में स्कूल बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर कई जिलों ने 28–29 जुलाई को स्कूलों की छुट्टियों की घोषणा की है। बारां, अंता, बांसवाड़ा, कोटा, डूंगरपुर, झालावाड़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक और चित्तौड़गढ़ जिलों के जिलाधिकारियों ने स्कूलों की छुट्टियों के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को पाली, अजमेर, टोंक, बारां सहित कई स्थानों पर व्यापक बारिश दर्ज की गई।

जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश के ऊपर बना अवदाब रविवार को कमजोर होकर स्पष्ट कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने बताया कि इसके असर से पिछले 24 घंटो में कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर संभाग में कहीं कहीं भारी, अति भारी बारिश दर्ज हुई है। सर्वाधिक बारिश 136 मिमी कुशलगढ़, बांसवाड़ा में दर्ज की गई।

विभाग के अनुसार पाली, चित्तौड़गढ़ और बारां सहित कई इलाकों में रविवार को हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई वहीं लगभग दो घंटे तक हुई भारी बारिश से पाली के सादड़ी इलाके में सड़कें जलमग्न हो गईं।

विभाग ने रविवार को उदयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर, जयपुर संभाग में कहीं–कहीं भारी, अति भारी बारिश व शेष भागों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना जताई थी। वहीं कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं–कहीं अत्यंत भारी बारिश भी होने की संभावना जताई थी। विभाग के अनुसार सोमवार 28 जुलाई को भरतपुर, कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं–कहीं भारी, अति भारी व एक दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। जयपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग में भी कहीं–कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

हरियाली तीज पर जयपुर जिला प्रशासन ने कायम किया पौधारोपण का रिकॉर्ड : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से हरियाली तीज के अवसर पर जयपुर जिला प्रशासन ने एक ही दिन में पौधारोपण का रिकॉर्ड कायम किया है। जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पौधारोपण किया। वहीं, जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान के तहत संपूर्ण जयपुर जिले में एक ही दिन में आवंटित लक्ष्य (21 लाख पौधारोपण) के दोगुना से भी अधिक 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण कर प्रदेश के 41 जिलों में प्रथम स्थान हासिल किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था।

उप वन संरक्षक वी. केतन कुमार ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन एवं नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत पूरे जिले में कुल 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण किये गए। प्रभावी कार्ययोजना एवं नियमित मॉनिटरिंग के चलते टीम जिला प्रशासन के प्रयास रंग लाए एवं राजकीय विभागों, निकायों, निगमों ने सहयोग, समन्वय एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की पेश मिसाल करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। जयपुर में हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण को लेकर आमजन में भी खासा उत्साह देखने को मिला, जन भागीदारी से वन महोत्सव जन महोत्सव में तब्दील हो गया, माधोराजपुरा सहित अन्य उपखण्डों में ग्रामीण लोक गीतों पर थिरकते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा सर्वाधिक 14 लाख 58 हजार 454 पौधारोपण किये गए, वहीं, वन विभाग द्वारा जयपुर में 2 लाख 55 हजार 218, प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा 5 लाख 2 हजार 229, श्रम विभाग द्वारा 84 हजार 250, रक्षा विभाग द्वारा 2 हजार 80, मनरेगा के तहत 6 लाख 38 हजार 973, उद्यानिकी विभाग द्वारा 17 हजार 609, पशुपालन विभाग द्वारा 3 हजार 403, खनिज विभाग द्वारा 11 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए।

वी. केतन कुमार ने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान के तहत जयपुर जिले में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम द्वारा 3 हजार 200, आईसीडीएस द्वारा 3 हजार 583, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 16 हजार 160, कृषि विभाग द्वारा 44 हजार 417, स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा 2 लाख 90 हजार 928, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 हजार 595, आयुर्वेद विभाग द्वारा 401, वाटरशेड विभाग द्वारा 5 हजार से अधिक, राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम द्वारा 2 हजार 164 पौधारोपण किये गए।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में परिवहन विभाग द्वारा 5 हजार, राजस्व विभाग द्वारा 51 हजार 419, पुलिस विभाग द्वारा 1 हजार 270, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1 लाख 12 हजार 456, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 6 हजार 541, सार्वजनिक निमार्ण विभाग द्वारा 1 लाख 39 हजार 476, सिंचाई विभाग द्वारा 2 हजार 120, जल संसाधन विभाग द्वारा 9 हजार 805, उद्योग विभाग द्वारा 19 हजार 548, शहरी विकास विभाग द्वारा 61 हजार 708, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 100, शहरी विकास एवं आवासन विभाग द्वारा 59 हजार 549, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 1 हजार 901, नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा 2 लाख 7 हजार 217, नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा 1 लाख 5 हजार 635 सहित अन्य विभागों के द्वारा 18 हजार से अधिक पौधारोपण किये गए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई की, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह आम जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध तरीके से निरस्तारण करें। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं और ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, प्रकरणों की नियमित निगरानी करते हुए परिवादियों को इसके बारे में सूचित भी किया जाए।

युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए गंभीरता से हो समन्वित प्रयास : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं उन्हें नशे की लत से दूर रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित और गंभीर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए सम्बंधित विभाग प्रभावी रणनीति के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा युवाओं में जागरूकता के लिए मशहूर हस्तियों के माध्यम से उन्हें प्रेरित किया जाए।

पंत सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर तंत्र (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निजी एवं राजकीय महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा करवाई जाए तथा वहां ड्रग कंट्रोल सोसाइटी की स्थापना के लिए प्रयास किए जाएं।

साथ ही, महाविद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों के सेवन और विक्रय पर सतत निगरानी रखते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण में लिप्त गुप्त प्रयोगशालाओं का पता लगाकर पूरे नेटवर्क को समाप्त किया जाए। उन्होंने जिलों में फॉरेंसिक लैब तंत्र को मजबूत करने के निर्देश भी दिए, जिससे मादक पदार्थों की रिपोर्ट समय पर न्यायालयों में प्रस्तुत की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि एच–1 श्रेणी की फार्मा ड्रग्स की बिक्री पर विशेष निगरानी रख अनियमितता करने वाले फार्मा दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पंत ने मानस हेल्पलाइन–1933 के प्रचार–प्रसार को व्यापक स्तर पर किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि इस माध्यम से प्राप्त सूचनाओं की गंभीरता से जांच कर, सही सूचना देने वालों को पुरस्कृत कर अन्य लोगों को भी प्रेरित किया जाए। ।

बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर सावंत, सचिव वित्त (राजस्व) विभाग कुमार पाल गौतम, निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम. एन, विजय कुमार सिंह, उपमहानिदेशक(पश्चिमी क्षेत्र) एनसीबी मनीष कुमार, एनसीबी राजस्थान के जोनल निदेशक घनश्याम सोनी, चिकित्सा, पुलिस, उच्चशिक्षा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ, प्रदेश के यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : प्रेमचंद बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत । उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक मजबूत एवं यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार सभी संभव प्रयास कर रही है । नवाचारों एवं तकनीक के प्रयोग से यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी दिशा में सोमवार को परिवहन भवन में बैरवा ने व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में संचालित सार्वजनिक सेवा के वाहनों की रीयल टाइम निगरानी एवं यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह परियोजना प्रदेश के सार्वजनिक परिवहन यानों जैसे यात्री बस, टैक्सी कैब, मैक्सी कैब वाहन एवं केंद्र या राज्य सरकार द्वारा आदेशित वाहन श्रेणी वाहनों के अवैध सञ्चालन, ओवरलोडिंग एवं अनधिकृत रूट सञ्चालन के नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस सिस्टम के तहत प्रत्येक सार्वजनिक सेवा वाहन में जीपीएस आधारित डिवाइस लगाकर कमांड एवं कण्ट्रोल सेंटर द्वारा वाहन की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। प्रशासनिक निगरानी के लिए इसमें उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से वाहन की गति, रूट, स्टॉपेज एवं डिवाइस की कार्यशीलता जैसी जानकारियाँ रियल टाइम में प्राप्त होती है। इसके इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम के तहत संचालित पैनिक बटन से यात्रियों को आपात स्थिति में स्टेट ईआरएसएस (112) द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी।

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा यह पहल विशेष रूप से महिलाओं एवं अन्य संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। प्रदेश में लगभग 2.5 लाख सार्वजनिक सेवा वाहनों पर यह डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाए जाएंगे। वर्तमान में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 892 बसों में –खड –140 मानक की तडढ डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाकर तडढड सिस्टम को एक्टिवेट किया जा चुका है।

राजस्थान की आर्थिक समृद्धि और सतत् विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अंत्योदय के विचारों को समाहित करते हुए आशान्वित जिला और आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे अंतिम पायदान के व्यक्ति को राहत प्रदान की जा रही है और विकसित भारत–विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समावेशन को संस्थागत रूप देने और सुशासन को कार्यसंस्कृति का सबसे प्रमुख हिस्सा बनाने पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शर्मा सोमवार को एचसीएम रीपा में राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में क्षेत्रीय विषमताएं दूर कर पिछड़े जिलों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए जनवरी 2018 में आशान्वित जिला कार्यक्रम प्रारंभ किया था।

शीर्ष अदालत का बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर हमेशा के लिए अंतिम निर्णय करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को इस मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूची को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगनी चाहिए।

पीठ ने न्यायालय के पिछले आदेश पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए अनुरोध नहीं कर रहे थे। पीठ ने कहा कि इसलिए अब ऐसा नहीं किया जा सकता तथा मामले का स्थायी निपटारा किया जाएगा। शंकरनारायणन ने कहा कि प्रकाशन पर रोक लगाने की अंतरिम

राहत पर जोर नहीं दिया गया क्योंकि शीर्ष अदालत ने आश्वासन दिया था कि मामले को एक अगस्त से पहले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने निर्वाचन आयोग के इस कथन पर गौर किया कि एसआईआर के लिए गणना प्रपत्र मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद भी जमा किए जा सकते हैं। पीठ ने कहा, ''अदालत की शक्ति को कम मत आंकिए। हम पर भरोसा कीजिए। अगर अदालत आपकी दलील से सहमत होती है और अगर कोई अवैधता पाई जाती है, तो यह अदालत तुरंत सब कुछ रद्द कर देगी।'' उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से कहा कि वह उसके (शीर्ष अदालत के) पहले के आदेश का अनुपालन करते हुए बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के लिए आधार और मतदाता पहचान पत्र को स्वीकार करना जारी रखे। न्यायालय ने कहा कि दोनों दस्तावेजों के प्रामाणिक होने की धारणा है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि वह प्रथम दृष्टया 10 जुलाई के आदेश से सहमत है और भारत के निर्वाचन आयोग ने अपने जवाबी हलफनामे में माना है कि आधार, मतदाता पहचानपत्र और राशन कार्ड स्वीकार किए जा सकते हैं। पीठ ने कहा, ''जहां तक राशन कार्ड का सवाल है, तो हम यह कह सकते हैं कि उसकी आसानी से जालसाजी की जा सकती है, लेकिन आधार और मतदाता पहचान पत्र की कुछ विश्वसनीयता है और उनके प्रामाणिक होने की धारणा है। आप इन दस्तावेजों को स्वीकार करना जारी रखें।'' शंकरनारायणन ने कहा कि आधार और वोटर कार्ड स्वीकार करने के चुनाव आयोग के जवाबी हलफनामे में दिए गए दावे के बावजूद, जमीनी रिपोर्टों से कुछ और ही पता चलता है।

दादी का सिंधारा उत्सव में हुआ मंगल पाठ, बही भजनों की रसधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में संजय-रमा नोपानी परिवार के सौजन्य से कल्याणी कला केंद्र में रविवार को 'दादीजी का सिंधारा उत्सव' धूमधाम से मनाया। आयोजक परिवार द्वारा दादी की अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। गुवाहाटी से आई ज्योति जाजोदिया एवं स्थानीय सुरेश चौहान ने दादीजी का संगीतमय मंगलपाठ किया। दादी परिवार की महिलाओं ने दादीजी का जन्मोत्सव, नारायणी बाई का चुनड़ी की छांव में आगमन व चरण धुलाई, मेहंदी उत्सव, हल्दी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव आदि दादी भक्तों के साथ नृत्य नाटिका के प्रस्तुत किया। कोलकत्ता से आए अरविन्द सहल ने दादी के भजनों की प्रस्तुति दी। कोलकाता के कारीगरों द्वारा दादीजी के दरबार का श्रृंगार किया गया। दादीजी को 56 भोग, फल व विभिन्न प्रकार के प्रसाद का भोग लगाया गया। इस मौके पर गायकों व अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 16 नवम्बर को आयोजित होने वाले समिति के वार्षिकोत्सव की घोषणा हुई।

आतंकवाद के प्रति मोदी की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए दावा किया कि आतंकवाद के प्रति उनकी (मोदी) 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर पाकिस्तान समेत समूची दुनिया को जता दिया है कि जब भारत की सेना गरजती है, तो पाकिस्तान और उसकी खुराक पर पलने वाले आतंकी शिविरों में सन्नाटा पसर जाता है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त की है जब संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा हो रही है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद अब 'ऑपरेशन सिंदूर' की विजय ने आतंकवाद की जड़ों को हिला कर रख दिया है। लेकिन देश में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी और उनकी 'सदाबहार मंडली' के मानस पर इसका 'गहरा आघात' लगा है। मौर्य ने कहा इससे परेशान होकर उन्होंने भारतीय सेनाओं और उनके शौर्य पर ही सवाल उठा दिया है। भारत और पाकिस्तान के किसी भी मामले में वे पाकिस्तान के पक्षकार बन जाते हैं। उप मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व का बारंबार अभिनंदन है। आतंकवाद के प्रति उनकी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के कारण अब कोई भी आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। वंदेमातरम! एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' से बढ़ा भारत की सेना का सम्मान, मगर कांग्रेस को 'बर्दाश्त नहीं' पाकिस्तान का अपमान।

सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान लोगों को परेशान न किया जाए : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोलपुर (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर लोगों को परेशान न किया जाए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और निर्वाचन आयोग पर मतदाता सूची में सुधार की आड़ में बांग्ला भाषी प्रवासियों, अल्पसंख्यकों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गरीबों को निशाना बनाकर वैध मतदाताओं को हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित गीतांजलि स्टेडियम में प्रशासनिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बढ़ते विवाद के बीच निर्वाचन आयोग पर हमला बोला। यह प्रक्रिया पड़ोसी राज्य बिहार में पहले से ही चल रही है, जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बनर्जी ने बैठक में बूथ स्तरीय अधिकारियों से कहा, ''निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद ही कार्यभार संभालता है। तब तक, और उसके बाद भी, प्रशासनिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की ही रहेगी। आप राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान न करें।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि लंबे समय से मतदाता रहे किसी भी व्यक्ति का नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से न हटाया जाए। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कोई लड़का चार दिनों की छुट्टी पर जाता है, तो क्या आप उसका नाम हटा देंगे? क्या यह उचित है? इस राज्य में ऐसे लोग हैं, जो वर्षों से मतदाता हैं। सिर्फ इसलिए कि कोई कुछ दिनों के लिए अनुपस्थित है, इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसका नाम काट दें।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बिहार में जारी प्रक्रिया पश्चिम बंगाल में भी दोहरायी जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बांग्ला भाषी लोगों और अन्य जिन्हें 'अवांछनीय' माना जाता है,को बाहर करने के लिए एक ''जानबूझकर, राजनीति से प्रेरित कार्रवाई'' है।

बुलंदशहर में करीब दो दर्जन छात्र-छात्रा कीटनाशक दवा के प्रभाव से बीमार हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले के थाना खानपुर क्षेत्र स्थित कनौना गांव के इंटर कॉलेज में मच्छर निरोधक दवा के छिड़काव के बाद सोमवार को संस्थान पहुंचे करीब दो दर्जन छात्र-छात्र बीमार हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इंटर कॉलेज प्रशासन द्वारा शनिवार को मच्छर निरोधक कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया गया था।

स्याना के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रखर पांडेय ने बताया कि आज थाना खानपुर पुलिस को सूचना मिली कि कनौना इंटर कॉलेज में 20-25 विद्यार्थियों की तबियत खराब हो गई और उन्हें उल्टी और चहरे पर जलन की शिकायत हो रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बच्चों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया और इनमें से तीन-चार बच्चों को थोड़ी घुटन भी महसूस हो रही थी, इसलिए इन्हें स्याना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

'सच्चा साधक वही है जो समय रहते जीवन को धर्म राह में लगा दे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी ने आचारांग सूत्र के माध्यम से आयुष्य कर्म पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु महावीर ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के चौंतीसवें लेश्था अध्ययन में छह प्रकार की लेश्याओं की विवेचना की है। उनमें प्रथम तीन अशुभ फल प्रभाव वाली और अन्तिम तीन शुभ प्रशस्त प्रभाव वाली है। जिस लेश्या में आयुष्य का बंध होता है। मरते वक्त वही जीव में वही लेश्या के परिणाम रहते हैं। उन्होंने कहा कि मन वचन काया की कषाय प्रवृत्ति को लेश्या कहते हैं। पाप का सम्बन्ध मन से है। शालिभद्र मुनिजी ने अनित्य भावना पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा भाव अच्छा तो प्रभाव भी अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि संसार के जितने भी पदार्थ हैं वे सब अनित्य, नाशवान, क्षणभंगुर है।

एक हमारी आत्मा ही सदा शाश्वत नित्य है। जन्म के साथ मृत्यु निश्चित है। आप घड़ी, कैलेंडर बदल सकते हैं पर समय को नहीं। मुनिश्री ने भरत चक्रवर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि शरीर और संसार के पुदगल पदार्थो की नश्वरता का चिंतन करते हुए भरत चक्रवर्ती ने अनित्य भावना करते हुए उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है। इन्द्रधनुष और आकाश की बिजली के समान यह मानव जीवन है। सच्चा साधक वही है जो समय रहते शरीर और संसार के पदार्थों की नश्वरता को समझते हुए अपने जीवन को धर्म की सही राह में लगा लेता है।

ललन सिंह ने एसआईआर पर लोस में कहा

असली नस पकड़ा गया है, इलाज भी पक्का होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में सोमवार को चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाये जाने पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि असली नस पकड़ा गया है और इलाज भी पक्का होगा। बिहार के मुंगेर से लोकसभा सदस्य सिंह ने चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों के शोरगुल करने पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''जाओ न...उधर वोटर काफी जाली बनवाए हो...उधर जाकर देखो।''

केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ने कहा कि असली नस पकड़ा गया है और इलाज भी पक्का होगा। उन्होंने एसआईआर की कवायद का विरोध कर रहे विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा, ''एक चीज बता देते हैं कि यदि असली बीमारी पकड़ा जाता है तो उसका इलाज भी 'परफेक्ट' होता है। 'डायग्नोसिस' अगर सही हुआ तो 'ट्रीटमेंट' भी पक्का होता है।'' जनता दल (यूनाइटेड) नेता ने कहा, ''आपकी बीमारी समाप्त हो जाएगी, चिंता मत करिये।''

ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को केंद्र पर तीखा प्रहार किया और कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कितने विमान गिरे थे।

संसद के निचले सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए। उन्होंने सरकार से सवाल किया, ''पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अब वापस नहीं लेंगे तो कब लेंगे?'' कांग्रेस नेता ने सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए दावा किया कि सिंह ने कई सच्चाई सामने नहीं रखी।

गोगोई ने कहा, ''हाल में जो युद्ध हुआ वह सूचना का युद्ध था। हम दुनिया को सच्चाई की सूचना देना चाहते थे। लेकिन कुछ ताकतें झूठ फैला रही थीं। इस चर्चा का मकसद है कि सच्चाई सदन में आनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''राजनाथ सिंह जी ने बहुत सी सूचनाएं दी, लेकिन रक्षा मंत्री होने के नाते यह नहीं बताया कि पहलगाम में आतंकी कैसे आ गए? आतंकवादियों ने कैसे वहां पहुंचकर लोगों की हत्या की?'' उन्होंने कहा, ''विपक्ष का कर्तव्य है कि हम देशहित में सवाल पूछें। देश यह जानना चाहता है कि पांच आतंकवादी कैसे घुसे? उन आतंकवादियों का मकसद जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह करना और देश में सांप्रदायिक माहौल बनाना था।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''100 दिन बीत गए, लेकिन पांच आतंकियों को पकड़ा नहीं जा सका। ऐसा क्यों हैं? यह देश जानना चाहता है।'' उन्होंने कहा, ''आपने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर आइए और लोग आए, लेकिन जब लोग आतंकवादियों की गोलीबारी में घायल हुए तो एक घंटे एंबुलेंस पहुंचने में लग गए।'' गोगोई ने कहा, ''उपराज्यपाल (मनोज सिन्हा) ने सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी ली है। यह जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री को लेनी चाहिए।''

'देश पहलगाम हमले के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं, 'ऑपरेशन तंदूर' चाहता था'

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य रमाशंकर राजभर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि देश पहलगाम आतंकी हमले के बाद इसके लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं बल्कि ''ऑपरेशन तंदूर'' चाहता था।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा यदि सही है तो इसका मतलब है कि ''हमने सैन्य और कूटनीतिक फैसला लेने की स्वतंत्रता'' खो दी।

रमाशंकर राजभर ने ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद के निचले सदन में विशेष चर्चा'' में भाग लेते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमला हुआ और इसके 17 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, जबकि देश हमले के तीसरे दिन ही कार्रवाई चाहता था।

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए: अरविंद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता अरविंद सावंत ने सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार से आग्रह किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए। सावंत ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग उस वक्त उठाई जब एशिया कप में 14 सितंबर को भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के बीच मैच प्रस्तावित है।

एशिया कप के कार्यक्रम के अनुसार चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को ग्रुप 'ए' में रखा गया है और वे 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। सावंत ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद करो। जो पाकिस्तान आपके साथ यह (आतंकवाद) बर्ताव करता है, उसके साथ क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। मेरा आग्रह है कि उसके साथ क्रिकेट मत खेलो।''

शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा कि जांच इसकी होनी चाहिए कि पहलगाम में आतंकी हमले के समय जवान कहां थे? उन्होंने कहा, ''जिन आतंकवादियों ने सिंदूर छीना, उन्हें आज तक पकड़ा नहीं जा सका।''

मणिपुर के पांच पहाड़ी जिलों से 155 आग्नेयास्त्र बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले कुछ दिनों में पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल, तेंगनौपाल और चंदेल में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 155 आग्नेयास्त्र और 1,652 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), असम राइफल्स और सेना की संयुक्त टीमों द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में ये हथियार बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए हथियारों में एके सीरीज की आठ राइफल, दो इंसास राइफल, चार कार्बाइन, एक एसएलआर, नौ एमएम की आठ पिस्तौल, 12 बोर की 14 बंदूक, सिंगल बोर की 21 बंदूक, 14 देशी पिस्तौल और अन्य राइफल शामिल हैं।

दिव्या देशमुख ने महिला विश्व कप फाइनल में हम्पी को हराया, ग्रैंडमास्टर बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बातुमी (जॉर्जिया)/भाषा। भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाइब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता।

इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था।

वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं।

नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों

के ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर में जीत दर्ज की।

दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज में सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं।

दिव्या ने सोमवार को दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था।

सोमवार को समय नियंत्रित टाइब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की।

दिव्या अब हम्पी, डी हरिका और आर वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया । फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ । तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे । उन्होंने उजबेकिस्तान, मेडागास्कर, तुर्की, फ्रांस और पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स को हराने के अलावा तीन ड्रॉ खेले। टूर्नामेंट में 43 देशों के 39 ग्रैंडमास्टर्स समेत 276 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। यूक्रेन के ग्रैंडमास्टर पावेल एजानोव तीसरे स्थान पर रहे ।

असम में छह करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को बताया कि राज्य के कछार जिले में छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की याबा टैबलेट जब्त की गई हैं और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कछार पुलिस ने मादक पदार्थ निरोधक अभियान में छह करोड़ रुपए मूल्य की 20,000 याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस संबंध में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''मादक पदार्थ के खतरे के खिलाफ असम पुलिस की एक और कड़ी कार्रवाई।'' शर्मा ने कहा कि इस मामले के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पहले ही शुरू कर दी गई हैं। याबा भारत में अवैध है क्योंकि इसमें मेथामफेटामीन (नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची खख का पदार्थ) और कैफीन होता है।

सुविचार

आत्मविश्वास का सबसे बड़ा रहस्य है अपने आप को बेहतर समझना और स्वीकार करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छ भारतः जन आंदोलन की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 124वीं कड़ी में जिन बातों का जिक्र किया, उन पर काम करने से बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। आज देश के सामने कई चुनौतियां हैं। उन्हें स्वीकार करते हुए सकारात्मक सोच के साथ काम करने से ही हम ऐसे मुकाम पर पहुंच सकते हैं, जिससे अन्य देश प्रेरणा लें। बेशक कई काम ऐसे हैं, जो शुरुआत में असंभव प्रतीत होते हैं, लेकिन ईमानदारी और मेहनत के साथ आगे बढ़ने से उनमें अच्छे नतीजे मिलते हैं। प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छ भारत मिशन' का जिक्र करते हुए हकीकत बयान की है कि 'जब देश एक सोच पर एकसाथ आ जाए, तो असंभव भी संभव हो जाता है।' इस मिशन के जरिए लोगों में काफी जागरूकता आई है। सार्वजनिक स्थान काफी साफ-सुथरे नजर आने लगे हैं। पहले, जहां लोग सड़कों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर कचरा फेंकने से गुरेज नहीं करते थे, अब वे स्वच्छता का ध्यान रखने लगे हैं। कई रेलवे स्टेशन बहुत साफ हो गए हैं। हालांकि अभी बहुत काम करने की जरूरत है। कई लोग इस मामले में बहुत लापरवाह हैं। उन्हें जब मौका मिलता है, वे पान, गुटखा, तंबाकू आदि खाकर इधर-उधर थूकते रहते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने की जरूरत है। स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो चर्चा में हैं, जिनमें विदेशी नागरिक हमारे 'सिविक सेंस' का मजाक उड़ा रहे हैं। वे भारत के प्राकृतिक सौंदर्य और मेहमान-नवाजी की तारीफ करते हैं। उसके साथ ही यह भी कहते हैं कि अगर भारतवासी साफ-सफाई की ओर ध्यान दें तो उनका देश और ज्यादा सुंदर हो सकता है। सड़कों पर कचरा, उफनतीं नालियां, खाद्य पदार्थों पर बैठे मक्खी-मच्छर और पान की पीक से सनी हुईं दीवारें - ये नजारे उनके पर्यटन आनंद में बाधा डालते हैं।

स्वच्छता की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं होती है। नागरिकों में भी यह भावना होनी चाहिए कि हमें इस देश को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। जब हमारे देशवासी जापान जाते हैं तो उसकी स्वच्छता की जरूर तारीफ करते हैं। जापानी दफ्तरों में बॉस से लेकर कर्मचारियों तक, कोई भी सफाई करने में शर्म महसूस नहीं करता। अपने कार्यस्थल को साफ रखना गर्व की बात है। जापानी बच्चों को स्कूलों में सफाई का पाठ पढ़ाया जाता है। वहां प्रधानाचार्य हों या विद्यार्थी, सबको अपने स्कूलों में एकसाथ सफाई करते देखा जा सकता है। जापान में कई जगह तो नालियां इतनी साफ हैं कि उनमें मछलियां तैरती नजर आती हैं! अगर हमारे देश में नागरिक मिलकर, समय-समय पर अपने मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई करने लग जाएं तो देश की तस्वीर बदल सकती है। प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि 'देश में कूड़ा-कचरा इसलिए ज्यादा है, क्योंकि आबादी ज्यादा है।' ऐसा तर्क देने वाले यह क्यों भूल जाते हैं कि आबादी ज्यादा है तो सफाई करने वाले हाथ भी ज्यादा हैं? अगर हर व्यक्ति स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बना ले तो देश साफ-सुथरा क्यों नहीं हो सकता? लोग गंदगी फैलाना ही बंद कर दें तो स्वच्छता को कायम रखना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए जागरूक होना पड़ेगा। हाल में एक जापानी महिला का वीडियो चर्चा में रहा था, जो अपने बगीचे के पत्तों, फलों व सब्जियों के छिलकों, रसोईघर के कचरे को इकट्ठा कर खाद बनाती हैं तथा उसका इस्तेमाल बगीचे में करती हैं। इससे उनका बगीचा खूब हरा-भरा रहता है और भरपूर फल-सब्जियां देता है। क्या हम ऐसा नहीं कर सकते? हमारी कई सब्जी मंडियों में सफाई की क्या हालत है? वहां सड़े हुए फलों-सब्जियों के ढेर लगे होते हैं। कई जगह लोग सूखी घास और पत्तियों को आग लगाकर वायु प्रदूषण फैलाते हैं। हम लोग भी आगे बढ़कर कर्तव्य निभाएं, गंदगी न फैलाएं तो भारत को दुनिया का सबसे ज्यादा साफ-सुथरा देश बना सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

झालावाड़ की भीषण त्रासदी के आंसू अभी सूखे भी नहीं कि अब जैसलमेर से एक और दर्दनाक स्कूली हादसा सामने आया है। जैसलमेर के पूनमनगर में सरकारी स्कूल का प्रवेश द्वार गिरने से एक मासूम की मृत्यु की ख़बर अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

काशी और तमिल का हजारों वर्षों पुराना सांस्कृतिक संबंध है जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की जीवंत मिसाल है। तमिलनाडु का भारत के विभिन्न राज्यों से पौराणिक और सांस्कृतिक संबंध न केवल हमारी साझा विरासत को दर्शाते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

श्रावण मास के तृतीय सोमवार की आप सभी श्रद्धालुजनों को मंगलमय शुभकामनाएं। भोलेनाथ की कृपा आप सभी पर बनी रहे, जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का सावन हमेशा हरा-भरा बना रहे। ॐ नमः शिवाय!

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर नि:शब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1.73 बिलियन डॉलर (करीब 5.5 प्रतिशत) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216 प्रतिशत तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0.5 बिलियन डॉलर था।

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता 'गेमचेंजर'

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक डील हुई है, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध का नया अध्याय शुरू होगा। 24 जुलाई, 2025 को लंदन में भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ। इस समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार को 2030 तक यानि अगले चार-पांच सालों में 120 अरब यूएस डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन ने ब्रेक्जिट से निकल जाने के बाद पहली बार किसी देश के साथ इतनी बड़ी डील की हो। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत की मजबूत और निर्णायक नेतृत्व क्षमता, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और लोगों की बढ़ती आय ने भारत को वैश्विक साझेदार के रूप में एक पसंदीदा देश बना दिया है। यह एक गेमचेंजर समझौता है। यूनाइटेड किंगडम के माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह यूके का ब्रेक्जिट के बाद का सबसे महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता है। ऐतिहासिक डील के लिए सर्वप्रथम सबसे पहले भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देना आवश्यक है। यह वास्तव में मोदी सरकार का सराहनीय कदम है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, जो लगभग चार-पांच वर्षों से बातचीत में अटका हुआ था, आखिरकार फलीभूत हो गया है। दोनों देश पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन के तहत हस्ताक्षर करने के बहुत करीब थे। जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन उससे पहले जॉनसन को जाना पड़ा। बाद में ऋषि सुनक ने भी इसे करने की कोशिश की। इस समझौते का दीप निवास पर दीपावली पर जलाया जाना था। ऐसा नहीं हुआ।

फिर चुनाव हुए, और इंग्लैंड में सत्ता लंबे समय से लेबर पार्टी की थी। पूर्व के सभी पक्षपातपूर्ण हैं। पीयूष गोयल मतलब यह सब नए सिरे से शुरू करने के बारे में है। प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने ऐसा किया। इसका कारण ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे समय में जब ब्रेक्सिट का ग्रहण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को गहरा कर रहा है और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प का उदय इस ग्रहण के आर्थिक अंधेरे को जोड़ रहा है, अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ठोस करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, स्टारर ने यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब भारत के साथ। उन्होंने यूरोप के साथ समझौते को दोनों के लिए और भारत के लिए जीत का सौदा बताया। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा इंग्लैंड कुछ ऐसा चाहता था। उन्हें यह इन अनुबंधों के माध्यम से मिला। यह हमारी जरूरत भी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने प्रधानमंत्री के आजीवन मित्र रहे डोनाल्ड ट्रंप को एक मुश्किल जगह पर दर्द महसूस होने लगा है। इसके अलावा चीन जो दुविधा पैदा कर रहा है, वह भी है। इन दोनों देशों को छोड़कर यूरोप के साथ व्यापार समझौता भी अधर में लटका हुआ है। ना कहने के लिए, हमने अब तक 14 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन जब संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मॉरीशस, मलेशिया, चिली, अफगानिस्तान, आदि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड किंगडम के विकल्प नहीं हैं, तो हमें एक मजबूत व्यापार समझौते की आवश्यकता थी जो दोनों की जरूरतों को पूरा करता हो।

इससे अगले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार 12 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। वर्तमान में, भारत ब्रिटेन से आयात से अधिक निर्यात करता है। लेकिन फिर भी उस देश के बाजार में भारत का हिस्सा दो प्रतिशत भी नहीं है। यह अब बढ़ेगा, क्योंकि इस समझौते में, लगभग सभी भारतीय वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ताकि वे कर-मुक्त हों। कपड़ा, कोल्हापुरी चप्पलें, आप उस देश में अधिक थोक दवाएं, रसायन, आभूषण आदि बेच सकेंगे।

साथ ही लक्जरी कारों, महंगी शराब, गैर-कानूनी सेवाओं को इंग्लैंड से भारत में अधिक स्वतंत्र रूप से आपूर्ति की जाएगी। आप इंग्लैंड के सबसे बड़े चांदी आयातक होंगे। इस समझौते के बाद, ब्रिटेन के चांदी के लेनदेन भारत में चांदी के हो जाएंगे। भारत से दो प्रमुख मुद्दे उस देश में भारतीय शराब की मुक्त गुंजाइश और साथ ही, उस देश में शराब की बिक्री थे। इसे भारतीयों के कप में आसानी से गिरने दें। यह कुछ हद तक आसान होगा। कुछ हद तक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ब्रिटिश शराब पर भारत में लगाया गया आयात कर सिर्फ एक मुद्दा है। आयात कर कम हो जाएगा, लेकिन साथ ही इससे केंद्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, माल और सेवा कर आदि में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस समझौते का लाभ शराब कंपनियों की तुलना में शराब कंपनियों को अधिक होगा। उनके लक्जरी करों के कारण, केवल 350 रुपये में बेची जाने वाली व्हिस्की की बोतल भारतीय बाजार में 3100 रुपये से अधिक महंगी होगी। नए समझौते से मुश्किल से 300 रुपये का अंतर आएगा। दूसरा मुद्दा भारतीय बाजार में कानूनी सलाह देने वाली ब्रिटिश कंपनियों को मुफ्त दरवाजा देना होगा। 2035 तक, ब्रिटिश कानून फर्मों को भारत में सहायक कंपनियां स्थापित करने की अनुमति देने के लिए कुछ कदम उठाए जाएंगे। यह कहा जा सकता है कि हमने कुछ दिया है, व्यापार के संदर्भ में बहुत कुछ लिया है। हालांकि, इस समझौते का असली फायदा ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीयों को होगा। शिक्षकों, खानसेम और यहां तक कि बड़ी संख्या में हाल के 'योग गुरुओं' को उस देश में अधिक अवसर मिलेंगे। भारतीय तकनीशियनों और कंप्यूटर विशेषज्ञों को मुफ्त में वीजा दिया जाएगा और उनकी संख्या भी बढ़ेगी। इसे शुद्ध लाभ के रूप में देखा जाना चाहिए या नहीं? यह प्रश्न। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास पहले से ही ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो विदेश जाना चाहते हैं। वह किसी भी पद पर विदेश जाने के लिए उत्सुक है। इंग्लैंड के पास अब उन लोगों के लिए अधिक अवसर होंगे जो ऐसी मातृभूमि को त्यागना चाहते हैं। भले ही यह प्रवासी वर्ग उस देश में रहकर पाउंड में कमाता हो, और अधिक जोश के साथ भारत माता का जाप करें! इसलिए अंतिम लाभ इंग्लैंड को होगा। वह भी दोगुना। एक, जो लोग संयुक्त राज्य अमेरिका जाना चाहते हैं, उनके कदम इंग्लैंड की ओर मुड़ जाएंगे, और दूसरा, इंग्लैंड को कम पैसे में बड़ी संख्या में अच्छे कुशल श्रमिक, कारीगर मिलेंगे। देश को पूर्वी यूरोपीय अकुशल भारतीयों की तुलना में थोड़ा अधिक महंगा लेकिन कुशल भारतीय मिलने लगेंगे जो वहां बहुत सस्ते में आना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, हमारे बौद्धिक नुकसान से ब्रिटेन को फायदा होगा। इस प्रकार, ऐसे समय में जब इस मुक्त व्यापार समझौते का जश्न मनाया जा रहा है और यह माना जाता है कि हमने 'विश्व नेता' बनने की दिशा में एक कदम उठाया है, दो बिंदुओं पर ध्यान देना बुद्धिमानी है।

पहला बिंदु हमारे निर्यात कारक हैं। पारंपरिक आभूषण और कम कुशल सामग्री हमारी निर्यात सूची में मुख्य योगदानकर्ता हैं। उस समय, यूके आपको जो सामान निर्यात करता है, उनमें उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण, विमान, आदि पुर्जे/प्रौद्योगिकी और समृद्ध कारें शामिल हैं। उन सभी को उच्चतम स्तर की प्रौद्योगिकी और तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। उनकी लागत भी अधिक होती है। ताकि जो सामान हम उस देश में भेजने जा रहे हैं वह अपेक्षाकृत सस्ता हो और साथ ही उस देश से हमारे बाजार में आ सके। हालाँकि, सामग्री अधिक मूल्यवान होगी। इसका मतलब यह है कि इंग्लैंड आपको अधिक सामान बेचकर जितना मिलेगा उससे बहुत कम बेचकर उतना ही या उससे अधिक कमाएगा।

उदाहरण के तौर पर, यूके हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर के टेक्सटाइल आयात करता है, जिसमें भारत का हिस्सा सिर्फ 1.73 बिलियन डॉलर (करीब 5.5 प्रतिशत) है। इसका कारण यह था कि बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश शून्य शुल्क पर निर्यात कर पा रहे थे और भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा था। अब भारत को भी शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, जिससे हमारे उद्योगों को भारी अवसर प्राप्त होंगे। चमड़ा और फुटवेयर उद्योग में भी ड्यूटी दरें 216 प्रतिशत तक थीं और हमारा निर्यात सिर्फ 0.5 बिलियन डॉलर था। अब हमारी कोल्हापुरी चप्पलें और जूते यूके बाज़ार में ज़्यादा प्रतिस्पर्धात्मक होंगे। जेम्स और जूलरी जैसे क्षेत्रों में भी जहां 4प्रतिशत ड्यूटी लगती थी, अब वह खत्म हो जाएगी।समुद्री उत्पाद, मैकेनिकल मशीनरी, प्लास्टिक, रबर, प्रोसेस्ड फूड्स, फर्नीचर, स्पोर्ट्स गुड्स, मीट, फल, सब्ज़ियां, मसाले सभी क्षेत्रों को शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे हमारे किसानों को भी लाभ होगा और निर्यात में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी यह समझौता एक बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एफटीए के तहत 6 यूके यूनिवर्सिटी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं। इससे हमारे छात्रों को देश में रहकर ही यूके डिग्री मिल सकेगी और उन्हें विदेश जाकर लाखों रुपये खर्च करने की ज़रूरत नहीं होगी।सबसे बड़ा लाभ सेवा क्षेत्र को मिलेगा। पहले जो कर्मचारी 2-3 साल के लिए यूके भेजे जाते थे, उनके वेतन से पेंशन फंड में कटौती होती थी लेकिन उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता था क्योंकि वे 10 साल नहीं रुकते थे।

अब वे उसी पैसे को भारत के प्रॉविडेंट फंड में जमा कर सकेंगे - जो उनके लिए एक बचत बनेगी, न कि हानि। यह मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए नए अवसरों का द्वार खोलने वाला है और इसका सबसे बड़ा विजेता भारत का मेहनतकश वर्ग और उद्योग जगत होगा। इस प्रकार यह पूरी तरह से भारत के हितों की रक्षा करने वाला समझौता है। इसके अंतर्गत हमें 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात वस्तुओं पर प्राथमिकता प्राप्त हुई है और अधिकांश मामलों में शून्य शुल्क की सुविधा मिली है। यह एक ऐतिहासिक और शानदार समझौता है, जो सिर्फ वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को समर्थन नहीं देगा, बल्कि एक स्थिर, पूर्वानुमान योग्य और सुरक्षित ढांचा भी तैयार करेगा जिससे भारत यूके की सप्लाई चेन में भरोसेमंद भागीदार बन सकेगा।

नजरिया

नाग पंचमी : धरती के संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं नाग

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों

पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है।

भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्मराजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संप्रग के शासनकाल में आतंकवाद 'पनपा', ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को पूरे विश्व ने देखा: राजीव रंजन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सोमवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल में देश में आतंकवाद 'पनपा'। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता विपक्षी पार्टियों को दिखाई नहीं पड़ती, जबकि उसे पूरे विश्व ने देखा।

संसद के निचले सदन में, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा में भाग लेते हुए जनता दल (यूनाइटेड) नेता ने कांग्रेस के गौरव गोगोई के भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, ''उन्होंने एक भी शब्द इस देश की सेना की वीरता और पराक्रम पर नहीं कहा। सेना की आप प्रशंसा नहीं कर रहे। बल्कि आप बता रहे हैं कि कितना जहाज गिरा, कितनी मिसाइल गिरीं। क्या आपकी नजर में इस देश के सैनिकों का कोई महत्व नहीं है?''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संप्रग के शासनकाल (2004 से 2014 तक) में देश में आतंकवाद 'पनपा' और उसे जगह मिली। उस अवधि के दौरान देश में जो आतंकी घटनाएं हुईं, उनमें 615 लोग मारे गए।

सिंह ने संप्रग शासनकाल के दौरान देश में हुए आतंकी हमलों का उल्लेख किया और कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकियों का कब्जा था और आतंकी कैसे घुसे थे, उन्हें बताना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उस हमले में 175 लोग मारे गए थे और 300 लोग घायल हुए थे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद से लड़ने का ''आपमें न तो साहस था और न ही दम। आप केवल खानापूर्ति करते थे और घड़ियाली आंसू बहाते थे।'' जद (यू) नेता ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गईं सारी मिसाइल हवा में फुलझड़ी की तरह ध्वस्त हो गईं, लेकिन आपको नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के 11 एयर बेस को भारतीय वायुसेना ने ध्वस्त कर दिया और पाकिस्तान के घुटने टेकने के बाद संघर्ष विराम हुआ था। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर को सराहा और समर्थन किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को यह संदेश गया कि भारत एक सशक्त देश है और अपनी रक्षा करने में समर्थ है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) जी बोलते नहीं हैं, बल्कि वह 'एक्ट' (कार्रवाई) करते हैं और 'एक्ट' कर अपनी ताकत दिखाते हैं, चाहे 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो, (बालाकोट) एयर सट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर हो।''

सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर संघर्ष विराम करने संबंधी विपक्षी दलों के दावे को खारिज करते हुए कहा कि बार-बार ऐसा बोलने से यह सच नहीं हो जाएगा, बल्कि सच्चाई यह है कि भारत किसी के दबाव में नहीं आता और अपना निर्णय स्वयं लेने में समर्थ है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि मुख्य विपक्षी पार्टी का आदर्श गोएबल्स (जर्मनी के तानाशाह रहे हिटलर के प्रचार और सार्वजनिक सूचना मंत्री) है। उन्होंने उल्लेख किया कि गोएबल्स ने कहा था किसी झूठ को बार-बार बोलने से वह सच मान लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रसिद्ध कहावत है लेकिन यह विचार सही नहीं है।

सिंह ने कहा, ''यह एक दुष्प्रचार रणनीति है। झूठ कितनी बार भी दोहराई जाए, सच नहीं हो जाएगा।'' उन्होंने विपक्षी दलों से आतंकवाद के खिलाफ सरकार के साथ एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिला कर चलने की जरूरत है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के लव श्री कृष्ण देवरायलू ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से संदेश स्पष्ट है कि भारत इंतजार करेगा लेकिन रूकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेशों में भेजे गए सर्वदलीय मंडल का सदस्य होने के नाते ''वहां हमने एकजुटता दिखाई'' और दुनिया ने देखा कि हम किसलिए खड़े हैं और पाकिस्तान किसलिए खड़ा है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया ने यह भी देखा कि भारत ने विश्व को अहिंसा जबकि पाकिस्तान ने आतंकवाद दिया है।

भाजपा सांसद का कांग्रेस पर कटाक्ष: अच्छा लगा कि थरूर को कोई देशहित में बोलने से रोक नहीं सका

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बैजयंत पांडा ने कांग्रेस और उसके सांसद शशि थरूर के बीच कथित तौर पर कड़वाहट होने को लेकर सोमवार को लोकसभा में कटाक्ष करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि थरूर को कोई देशहित में बोलने से रोक नहीं सका। पांडा ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए थरूर का उल्लेख किया। भाजपा सांसद ने कहा, ''(विपक्ष में) कई सारे नेता बहुत अच्छा बोल सकते हैं। मेरे मित्र शशि थरूर बहुत अच्छा बोलते हैं। लेकिन उनकी पार्टी की तरफ से उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। मुझे बहुत अच्छा लगा कि देशहित में बोलने से (उन्हें) कोई रोक नहीं सका।''

उनकी इस टिप्पणी पर कांग्रेस के सदस्यों ने पुरजोर प्रतिवाद किया।

लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में जिन नेताओं को भाग लेना है, उनमें थरूर का नाम नहीं हैं। हालांकि कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि थरूर से चर्चा में भाग लेने के लिए उनकी इच्छा पूछी गई थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाद्रा, गौरव गोगोई, सप्तगिरि उलाका, प्रनीति शिंदे और ब्रजेंद्र ओला सदन में बोलेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विषय पर अपनी बात रखेंगे।

पहलगाम हमले और उसके जवाब में शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार द्वारा भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश भेजे गए सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करने वाले थरूर ने हाल ही में कुछ ऐसे बयान दिए थे, जो कांग्रेस के आधिकारिक रुख के विपरीत थे।

पांडा ने कहा, ''भारत ने कई बार शांति का हाथ बढ़ाया, पाकिस्तान ने हर बार आतंक का रास्ता अपनाया।''

पांडा ने कहा कि अतीत में सरकारों का रवैया कार्रवाई का नहीं, बल्कि बातचीत का होता था। उन्होंने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार का नाम लिए बिना कहा, ''आज का भारत 2008 का भारत नहीं है। यह बदलाव नीतियों में बदलाव के कारण हुआ है।''

रवीना टंडन पहुंची मदुरै, मीनाक्षी अम्मन मंदिर में किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने तमिलनाडु के मदुरै में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर में भगवान शिव और देवी पार्वती के दर्शन किए और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। रवीना टंडन ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर मंदिर दर्शन की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। कुछ तस्वीरों में वह मंदिर के पास खड़े होकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। रवीना टंडन ने अपनी तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। दिल से आभार। उन्होंने इस पोस्ट के बैकग्राउंड प्ले म्यूजिक में 'काल भैरव अष्टकम' भजन का इस्तेमाल किया। मीनाक्षी अम्मन मंदिर को मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। मीनाक्षी माता पार्वती का एक रूप हैं, वहीं भगवान सुंदरेश्वर भगवान शिव का एक अवतार हैं। मीनाक्षी के भाई अघगर, वह भगवान विष्णु का रूप हैं।

यह मंदिर धार्मिक रूप से बेहद खास माना जाता है, क्योंकि यहां तीन प्रमुख हिन्दू परंपराएं एक साथ मिलती हैं: शैव मत, जो भगवान शिव की पूजा करता है; शाक्त मत, जो देवी शक्ति की पूजा करता है; और वैष्णव मत, जो भगवान विष्णु की पूजा करता है। इस तरह यह मंदिर इन सभी मान्यताओं के लिए एकता का प्रतीक माना जाता है। रवीना टंडन के इस पोस्ट पर उनके फैंस खूब प्यार दे रहे हैं। लोग उनकी तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, ''रवीना की सादगी और श्रद्धा देखकर दिल खुश हो गया।' वहीं दूसरी फैन ने लिखा, ''मां मीनाक्षी के आशीर्वाद से आपकी जिंदगी में हमेशा खुशियां और सफलता आएं।'' अन्य फैंस ने लिखा, ''बहुत सुंदर तस्वीरें, रवीना जी! आप हमेशा यूं ही खुश रहें।'' कई लोगों ने मंदिर की सुंदरता की भी प्रशंसा की और कहा और लिखा, 'मीनाक्षी अम्मन मंदिर वाकई बहुत खास जगह है।'

रवीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अब वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। अहमद खान के निर्देशन में बन रही यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। इसमें अहम रोल में अक्षय कुमार दिखाई देंगे। उनके अलावा दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, जॉनी लीवर और राजपाल यादव भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो मुख्यमंत्री पद पर आठ वर्ष और 127 दिन तक आसीन रहे थे। इसके मुकाबले, आदित्यनाथ अब तक आठ वर्ष, चार माह और 10 दिन का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपराध पर लगाम कसने और राज्य को 'नए उत्तर प्रदेश में बदलने की दिशा में काम किया है।

बयान में आदित्यनाथ सरकार की गत आठ सालों की योजनाओं को गिनाते हुए बताया गया है कि इस अवधि में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। इसमें कहा गया है कि गोरखपुर में एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई बड़ी परियोजनाएं इसके उदाहरण हैं। बयान में दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

'किंगडम' में विजय देवरकोंडा की एक्टिंग पर रश्मिका मंदाना हुईं कायल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने खास दोस्त विजय देवरकोंडा की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'किंगडम' में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह 31 जुलाई को सिनेमाघरों में एक्शन फिल्म 'किंगडम' को देखने के लिए दिन गिन रही हैं। विजय देवरकोंडा की अभिनय की प्रशंसा करते हुए रश्मिका ने कहा कि वह उनकी आधी प्रतिभा भी हासिल करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के ट्रेलर का वीडियो पोस्ट कर लिखा, वाह! क्या ट्रेलर है! गजब! इस शानदार ट्रेलर को देखने के बाद 4 दिन और इंतजार करना पड़ रहा है। ये तो नाइंसाफी है! विजय देवरकोंडा मैं हमेशा कहती हूं कि आप अलग हो! मैं चाहती हूं कि मैं अपना अभिनय इतना अच्छा कर लूं, कि आपके अभिनय के 50% तक पहुंच सकूं। 'किंगडम' के निर्देशक और संगीतकार की तारीफ करते हुए रश्मिका ने कहा, गौतम नायडू और अनिरुध आप दोनों जीनियस हैं। मैं आपकी फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर सकती, ये देखने के लिए कि आप दोनों ने मिलकर फिल्म कैसी बनाई है। भाग्यश्री आपको भी ढेर सारी शुभकामनाएं क्यूटी। मैं 31 तारीख को थिएटर में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म 'किंगडम' का ट्रेलर पोस्ट किया। इसे अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, अब 31 तारीख का इंतजार नहीं हो रहा! ट्रेलर में विजय का अभिनय बेहद शानदार है। आप तीनों जीनियस! मैं बहुत उत्सुक हूं। ये देखने के लिए कि आप लोगों ने मिलकर क्या बनाया है। गौतम नायडू, अनिरुध बेसब्री से इंतजार है। 'जर्सी' के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित 'किंगडम' एक अंडरकवर एजेंट सूर्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक जोखिम भरे मिशन पर है। उसे दुश्मन के क्षेत्र में घुसपैठ करने का काम सौंपा गया है। फिल्म में कुछ शानदार एक्शन सीक्वेंस के साथ-साथ गहरे भावनात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे।

सात समंदर पार से आईं एली अवराम, जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

नई दिल्ली/एजेन्सी

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाईं लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है। एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की 'देवदास' देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आईं, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई। अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म 'मिकी वायरस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया। एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने 'किस किसको प्यार करूं' और 'पोस्टर बॉयज' जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया। 2010 में एली ने मिस ग्रीस ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया, जिससे उनकी मॉडलिंग और एक्टिंग की राह और मजबूत हुई।

हिंदी सिनेमा में एली उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी फिटनेस पर खासा ध्यान देती हैं। वह रोजाना आधा घंटा डांस करती हैं और घर का बना खाना पसंद करती हैं, जिससे वह अपनी सेहत और खूबसूरती को बनाए रखती हैं। अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था। एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।

दीपिका पादुकोण ने संस्कृति को आकार देने वाली 90 महिलाओं की सूची में शामिल होने पर खुशी जताई

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तीकरण की वकालत के लिए वैश्विक सांस्कृतिक प्रकाशन 'द शिफ्ट' की संस्कृति को आकार देने वाली 90 से अधिक महिलाओं की सूची में शामिल किया गया है।दीपिका (39) के अलावा, इस सूची में गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमज, हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली, गायिका बिली इलिश और ओलिविया रोड्रिगो जैसी अन्य लोकप्रिय हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।दीपिका ने रविवार दोपहर अपने 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की और लिखा, ग्लोरिया स्टीनम और उनके 91 साल के सामाजिक योगदान के सम्मान में, द शिफ्ट' हमारे भविष्य

को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए मैं उनकी आभारी हूं।अभिनेत्री पिछले कुछ वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए काम कर रही हैं। वह 'लाइव लव लाफ फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन' की संस्थापक हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना है।

अभिनेत्री रुचि गुर्जर की बढ़ीं मुश्किलें, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन में फिल्म निर्माता करण सिंह चौहान के खिलाफ 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराने वाली अभिनेत्री रुचि गुर्जर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अम्बोली पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मुकदमा फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' के निर्माता मान लाल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने एक्ट्रेस रुचि गुर्जर समेत 6 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 189(1), 189(2), 190, 191(1), 329(3), 351(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रुचि गुर्जर पर आरोप है कि वह प्रीमियर शो के दौरान अपने प्राइवेट सुरक्षा गार्डों के साथ बिना अनुमति के सिनेमाघर में घुस गईं और जमकर हंगामा किया। एक्ट्रेस ने गाली-गलौज कर फिल्म के प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। यह घटना 25 जुलाई को अंधेरी वेस्ट स्थित सिनेपोलिस सिनेमा में हुई, जहां रात 9 बजे फिल्म का प्रीमियर शो आयोजित था। शिकायतकर्ता मान लाल सिंह ने पुलिस को बताया कि फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' का निर्माण 2023 से चल रहा था और 25 जुलाई को इसकी आधिकारिक रिलीज होनी थी, लेकिन प्रीमियर शो से ठीक पहले रात करीब 8:40 बजे रुचि, चार महिलाओं और कुछ बॉडी गार्ड्स के साथ सिनेमा हॉल पहुंचीं और बिना किसी निमंत्रण या अनुमति के अंदर घुस गईं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों के सामने जोर-जोर से चिल्लाते हुए कहा कि वह फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगी। उन्होंने निर्माता मान लाल सिंह को अपशब्द कहा और अपने पैसों की मांग करते हुए धमकियां भी दीं। जब वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो रुचि के बॉडी गार्ड्स ने धक्का-मुक्की की और खुद एक्ट्रेस ने चप्पल निकालकर मान सिंह पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक प्लास्टिक की बोतल भी फेंकी।

अभिनेत्री सोमी अली ने आदित्य पंचोली पर लगाए गंभीर आरोप, सूरज को बताया जिया की मौत का जिम्मेदार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोमी अली ने रविवार को सोशल मीडिया पर आदित्य पंचोली और उनके बेटे सूरज पंचोली के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एक बयान साझा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने आदित्य पंचोली को घटिया इंसान कहा और उन पर महिलाओं के साथ धोखा करने और उनकी पिटाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी बताया कि आदित्य का बेटा सूरज पंचोली, अभिनेत्री जिया खान की मौत का जिम्मेदार है। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, आदित्य पंचोली- तुम महिलाओं के साथ धोखा करते हो। उन्हें मारते हो और तुम्हारा बेटा जिया खान की मौत का जिम्मेदार है। तुम कचरा हो। तुम खुद के साथ कैसे जीते हो? सूरज को भी वही पुराने हथकंडे सिखा रहे हो? तुम एक घटिया इंसान हो।

बता दें कि जून 2013 में अभिनेत्री जिया खान जुहू स्थित सागर तरंग अपार्टमेंट में अपने निवास पर फांसी के फंदे पर झूलती हुई पाई गईं। इस घटना के बाद उनके बॉयफ्रेंड सूरज पंचोली पर अभिनेत्री को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। यह मामला कोर्ट में लगभग 10 सालों तक चला था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, साल 2023 में सूरज को बरी कर दिया गया। इसके अलावा, अभिनेत्री ने हाल ही में एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने अभिनेत्री तनुश्री दत्ता का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें तनुश्री की बातों पर भरोसा है कि उनके साथ घर पर परेशान करने वाली घटनाएं हुई थीं। सोमी ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद ऐसे ही अनुभव किए हैं, इसलिए वह तनुश्री की तकलीफ को अच्छी तरह समझ सकती हैं। सोमी अली ने कहा, तनुश्री ने बताया कि उन्हें परेशान किया गया, मानसिक रूप से कमजोर किया गया, उनके घर में नौकरानी के रूप में जासूस भेजा गया, और यहां तक कि उन्हें जहर देने की कोशिश की गई। कुछ मीडिया वालों ने उनका मजाक उड़ाया, कुछ ने उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए, लेकिन बहुत कम लोगों ने यह सोचा कि अगर ये सब सच हो तो? अगर तनुश्री की कहानी कोई अकेला मामला नहीं, बल्कि आम बात हो? उन्होंने आगे कहा, मैं भी कभी उस दुनिया का हिस्सा थी। मैंने देखा है कि महिलाओं को 'ऑडिशन' के नाम पर गलत प्रस्ताव दिए जाते थे, जिसका अभिनय से कोई लेना-देना नहीं होता था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 29-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

दक्षिण पूर्व एशियाई देश वियतनाम के दो युद्ध वहाँ के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गए जिनमें फ्रांस व चीनी उपनिवेश के खिलाफ वर्ष 1946 से 1954 तक लड़ा जाने वाला इंडो- चाइना वार तथा वर्ष 1955 से 1975 तक लड़ा गया अमेरिकन युद्ध शामिल है।

रासायनिक हथियारों का असर

वियतनामी सैनिकों के शौर्य की गाथा और युद्ध की भयावहता की कहानी कहता हो ची मिन्ह स्थित युद्ध अवशेष संग्रहालय

संग्रहालय देखकर मन द्रवित व व्यथित तो होता है लेकिन सैन्य साहस व शौर्य का स्मरण भी होता है

श्रीकांत पाराशर
dakshinbharat.com

दक्षिण पूर्व एशियाई देश वियतनाम के दो युद्ध वहाँ के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गए जिनमें फ्रांस व चीनी उपनिवेश के खिलाफ वर्ष 1946 से 1954 तक लड़ा जाने वाला इंडो-चाइना वार तथा वर्ष 1955 से 1975 तक लड़ा गया अमेरिकन युद्ध शामिल है। वियतनाम के सबसे बड़े शहर हो ची मिन्ह शहर में स्थित युद्ध अवशेष संग्रहालय (जो वार मेमोरियल के नाम से प्रसिद्ध है) में इन वियतनाम युद्धों के दुखद किंतु वियतनामी सैनिकों के वीरतापूर्ण इतिहास की झलक मिलती है। अमेरिका के मुक़ाबले अत्यंत कम साधन संपन्न एक छोटे से देश वियतनाम ने जिस साहस और शौर्य से युद्ध लड़ा और अमेरिकी सैनिकों के छक्के छुड़ाए, उन्हें पराजित किया उस वीरता की कहानी यहां वार मेमोरियल में प्रदर्शित अनगिनत चित्र व दस्तावेज़ मानो स्वयं बखान करते हैं। यह स्थल शहर के लगभग मध्य में ही स्थित है। वियतनाम के इतिहास को गहराई से जानने के इच्छुक लोगों के लिए यह विशेष रुचिकर स्थान है।

यह संग्रहालय वर्ष 1975 में शुरू किया गया।यहाँ प्रवेश करते ही परिसर में विभिन्न सैन्य उपकरण जैसे टैंक, विमान, हेलीकॉप्टर, मिसाइल्स आदि रखे हुए हैं जो उस दौर की तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही वियतनामी सैनिकों की बहादुरी को भी दर्शाते हैं क्योंकि यहां युद्ध के दौरान वियतनामी सेना द्वारा उपयोग में लाए गए विमान व उपकरण आदि हैं तो साथ ही इनमें से अनेक अवशेष युद्ध के दौरान वियतनामी सैनिकों द्वारा अमेरिकी सैनिकों को परास्त कर उनसे हथियाये गए उपकरणों के हैं। वार मेमोरियल दो तल वाले भवन में स्थित है जहाँ प्रथम तल में युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों द्वारा वियतनामी जनता पर किए गए युद्ध अपराधों की विचलित कर देने वाली भयावह तस्वीरें हैं, पीड़ित ज़िंदा निर्दोष लोगों द्वारा दिए गए बयान हैं तथा कुछ विशिष्ट घटनाओं का दुर्लभ चित्रों के साथ विस्तृत विवरण दिया गया है, जो विशेष रूप से अमेरिकी सैनिकों की क्रूरता की कहानी कहते हैं। दूसरे तल में, किसी भी युद्ध के बाद देश किस बर्बादी के हालात में पहुंच जाता है, युद्ध के परिणाम कितने भयावह होते हैं उन दृश्यों को वास्तविक चित्रों के साथ प्रदर्शित किया गया है। इन हृदय विदारक दृश्यों को देखकर कठोर से कठोर पत्थर दिल इंसान की भी आँखें नम हुए बिना नहीं रह सकती।

> **वार मेमोरियल वियतनामी सैनिकों के शौर्य व साहस को तो दर्शाता ही है लेकिन युद्ध की क्रूर वास्तविकता को प्रदर्शित करते दस्तावेज़ चीख चीखकर कहते दिखाई देते हैं कि युद्ध कैसा भी हो, उसके परिणाम मानवता के लिए अनुकूल कभी नहीं होते। वियतनाम पर अमेरिका ने जिन एजेंट ओरेंज नामक रासायनिक हथियारों का उपयोग किया उनसे पीढ़गत जन्मजात शारीरिक विकृतियां व विरूपता ने अपना भयावह चेहरा दिखाया जिसे देखकर आम व्यक्ति व्यथित हुए बिना नहीं रह सकता।**

वियतनाम ने फांसिसीयों को भी देश से खदेड़ने के लिए युद्ध लड़ा था, अपनी बहादुरी के बल पर चीनियों को भी पैर नहीं जमाने दिए थे, इंडो चाइना वार इसका प्रमाण है। यहां वार मेमोरियल में चीन व फ्रांस के औपनिवेशिक दौर के भी सभी दस्तावेज मौजूद हैं। अधिक विचलित करने वाली तस्वीरें अमेरिका-वियतनाम युद्ध की हैं जिनमें अमेरिकी सैनिकों की क्रूरता और निर्दोष जन सामान्य पर की गई निर्ममता को दर्शाने वाली तस्वीरें ज़्यादा हैं। यहां तस्वीरों के साथ वियतनामी व अंग्रेजी भाषा में कैप्शन लिखे गए हैं ताकि बाहर के पर्यटकों को भी समझने में सहूलियत हो।

यहां यह बताना ज़रूरी है कि वार मेमोरियल वियतनामी सैनिकों के शौर्य व साहस को तो दर्शाता ही है लेकिन युद्ध की क्रूर वास्तविकता को प्रदर्शित करते दस्तावेज़ चीख चीखकर कहते दिखाई देते हैं कि युद्ध कैसा भी हो, उसके परिणाम मानवता के लिए अनुकूल कभी नहीं होते। वियतनाम पर अमेरिका ने जिन एजेंट ओरेंज नामक रासायनिक हथियारों का उपयोग किया उनसे पीढ़गत जन्मजात शारीरिक विकृतियां व विरूपता ने अपना भयावह चेहरा दिखाया जिसे देखकर आम व्यक्ति व्यथित हुए बिना नहीं रह सकता और वह अमेरिका की निर्दयता की निंदा करता है। युद्ध के बाद उपजी चुनौतियों से निपटना आसान नहीं था लेकिन वियतनाम की जनता ने भरपूर साहस और दृढ़ता के साथ हर चुनौती का सामना किया तथा देश के प्रति पूरी निष्ठा के साथ हर नागरिक ने सहयोग किया। उसी का परिणाम है कि आज यह देश विश्व में सबसे तेज गति से विकास की ओर बढने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है। वियतनाम पर जो अमेरिका ने युद्ध थोपा व युद्ध संबंधी क्रूर अपराध किए उनकी निंदा संयुक्त राष्ट्र सहित पूरे विश्व में हुई तथा वियतनाम के साथ अनेक बड़े देश भी खड़े दिखाई दिए।

हालाँकि वियतनाम ने अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी और उसमें सफलता भी हासिल की लेकिन इसकी क़ीमत भी उसे बहुत ज़्यादा चुकानी पड़ी। यहां प्रस्तुत दस्तावेज इस बात की भी गवाही देते हैं कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष तो करना पड़ता है लेकिन युद्ध हमेशा लड़ते रहना शांति और विकास में बड़ी बाधा है, इसलिए यहां वार मेमोरियल में शांति और सुलह के दस्तावेज भी मौजूद हैं। वियतनाम ने भी एकीकरण के बाद तेजी से विकास किया और निरंतर तेज गति से विकास पथ पर अग्रसर है, इसका कारण यहां शांति स्थापित हो जाना है। पर्यटक यहां से गहन चिंतन व पीड़ादायक मार्मिक अहसास लेकर निकलते हैं। यह संग्रहालय प्रात: 7.30 से सायं 6 बजे (वियतनामी समय) तक खुला रहता है। यहां वयस्क के लिए 40 हजार वियतनामी डोंग तथा 6 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए 20 हजार डोंग प्रवेश शुल्क है। भारत के एक रुपए के बदले लगभग 322 डोंग मिलते हैं।

कर्नाटक के पर्यटकों के लिए अब वियतनाम जाने के लिए बहुत बड़ी सुविधा हो गई है । वियतनाम की सबसे बड़ी निजी विमानन कंपनी वियतजेट एयरलाइंस की बेंगलूरु से सप्ताह में कुल चार उड़ानें सीधी वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर के लिए उपलब्ध हैं और इस शहर के नज़दीक ही बहुत सारे पर्यटन स्थल हैं।

जीतो साउथ प्रोफेशनल फोरम का 'मीट-नेटवर्क-कनेक्ट-एक्ट' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो प्रोफेशनल फोरम साउथ ने मीट-नेटवर्क-कनेक्ट-एक्ट इस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। एचसी गुलेच्छा एंड कम्पनी के सौजन्य से यह आयोजन ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर में हुआ जिसमें 160 से अधिक पेशेवरों ने भाग लिया। जीतो साउथ जेपीएफ संयोजक रोनक गुलेच्छा ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए गतिविधियों की जानकारी दी।

सचिव कोमल भंडारी ने 1 व 2 अगस्त को होने वाले पगारिया जेबीएन बिजनेस सम्मिट 2025 के बारे में जानकारी दी। प्रोफेशनलों के बीच नेटवर्किंग, कनेक्शन और व्यापार विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सचिव प्रतीक गांधी, जेपीएफ साउथ के अध्यक्ष हरिकिशन छाजेड़, मुख्य सचिव प्रेक्षा भंडारी, कोषाध्यक्ष रिषभ पीपाड़ा, सहसचिव गजेश भंडारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आयोजित हुआ प्रशिक्षण सत्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा रविवार को 'एआई-योर स्मार्टेस्ट एम्प्लॉई' विषय पर ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं चैट-जीपीटी जैसे आधुनिक तकनीकी साधनों के उपयोग में दक्ष बनाना था। प्रशिक्षक श्रीनिवास प्रभु व विद्धि वाघेला ने उपस्थितजनों को एआई विषय पर प्रभावशाली प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर जेसीआई की अध्यक्ष कामना जैन ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष (व्यवसाय विकास) अवधी चौहान, प्रोजेक्ट प्रमुख हिमानी कानूंगा, प्रोजेक्ट सचिव श्रेया जैन, विनय जैन आदि ने व्यवस्था संभाली।

प्रतियोगिता दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के संजयनगर स्थित श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में स्थानक भवन में 'कौन बनेगा ज्ञानवान' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 55 महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया। विमल बाफना व लक्ष्मीबाई मुथा ने इस धार्मिक प्रतियोगिता का संयोजन किया। संघ के अध्यक्ष अनिल गन्ना, मंत्री नीलेश बोहरा, महिला मंडल अध्यक्ष अंजली बोहरा, प्राची कक्कड़ आदि ने प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान किया।

धूमधाम से मनाया गया जीण माता का सिंधारा उत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीण माँ के दीवाने संस्था द्वारा राजराजेश्वरीनगर स्थित श्रीधाम में सावन मास के उपलक्ष्य में शनिवार को 'जीण का सिंधारा उत्सव' धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर झूलोउत्सव के साथ जीण माता दरबार सजाया गया। वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने परिवार सहित पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित किया, उपस्थित भक्तों ने जयकारा लगाकर माँ का स्वागत किया। तत्पश्चात गायक रामू सिसोदिया, स्वाति शर्मा व पायल सोनी ने भजनों के साथ संगीतमय जीण शक्ति मंगलपाठ का वाचन किया। भजनों की प्रस्तुति पर भक्तों को बधाइयां बांटी गई। इस अवसर पर ओमप्रकाश मित्तल, मनालाल भामा, अनिल सुल्तानिया, सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर हाजिरी लगाई।

प्रभु नेमिनाथ के जन्म कल्याणक पर छप्पन भोग अर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिनवाणी श्रवण से हमें पदार्थ पर राग और आसक्ति दूर करने में मदद मिलती है। हमें धर्म क्रिया में रुचि नहीं आने से कभी हताश नहीं होना चाहिए। जब रुचि पैदा होगी तब हमें धर्म क्रिया में आनंद आने लगेगा। मंजिल पर पहुंचने से पहले हमें विभाव दशा को त्याग कर आत्मा की स्वभाव दशा में आना है।

अच्छे और बुरे निमित्त हमें जीवन में मिलेंगे लेकिन अच्छे निमित्तों को लेकर हमें आगे बढ़ना है। इस मौके पर परमात्मा नेमिनाथ के जन्म कल्याण दिवस के उपलक्ष्य में अनेक परिवारों द्वारा परमात्मा को छप्पन भोग की थाली अर्पित की गई, इसमें सर्वश्रेष्ठ थाली सजाने वालों को पुरस्कृत भी किया गया।

मायुमं बेंगलूरु ने आरआर नगर स्थित ओंकार हिल्स पर किया पौधारोपण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) बेंगलूरु ने पर्यावरण माह 2025 के अंतर्गत रविवार को उत्तरहल्ली रोड स्थित ओंकारेश्वर मंदिर (ओंकार हिल्स) में करीब 120 से अधिक पौधे रौपे। मंदिर के स्वामीजी ने आयोजन की भरपूर प्रशंसा की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया। अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने सदस्यों की सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के संयोजक गौरव शर्मा एवं आशु मित्तल की देखरेख में पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, सुशील सैनी, अशोक अग्रवाल, मासूम हिसारिया, आशीष अग्रवाल एवं प्रियांशु जैन आदि ने अपने अपने परिवार के साथ उपस्थित होकर आश्रम में पौधे लगाए तथा पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प लिया। सचिव सन्नी जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जांच शिविर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर केंगेरी उपनगर के सहयोग से निशुल्क ब्लड शुगर और बीपी चेकअप शिविर का आयोजन केंगेरी पार्क में किया गया जिसमें 89 लोग लाभान्वित हुए। शिविर संयोजक महेश मांडोत, गांधीनगर सभा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश दक आदि उपस्थित थे। एटीडीसीके राष्ट्रीय संयोजक आलोक छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर सहित अनेक पदाधिकारियों ने व्यवस्था संभाली।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com